संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 135
पृष्ठ 8
मंगलवार
03 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रुक गई है बालों की ग्रोथ तो इस्तेमाल...

विचार- इतिहास का इतिहास...

खेल- नॉकआउट में भारत से हुआ सामना...

योगी ने की केंद्रीय बजट की तरीफ, कहा-

प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा नेशन फर्स्ट की भावना को दी प्राथमिकता

लखनऊ,संवाददाता। केंद्रीय बजट 2026–27 पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार ने इस बजट में उत्तर प्रदेश के लिए व्यापक और दूरगामी प्रावधान किए हैं। उन्होंने बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में देश ने विकास की जो यात्रा तय की है, उसी का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश देश की प्रगति में निर्णायक योगदान दे रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जो सुदृढ़ नीतियों और सुशासन का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा नेशन फर्स्ट

की भावना को प्राथमिकता दी है। अधिकारों के साथ–साथ नागरिक कर्तव्यों की बात करना भी उतना ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौलिक अधिकारों की चर्चा तो होती है, लेकिन कर्तव्यों की उपेक्षा कर दी जाती है, जबकि हर भारतीय को अपने कर्तव्यों का बोध कराना जरूरी है। वर्तमान बजट इसी सोच को मजबूती देता है। योगी ने कहा कि यह बजट समावेशी विकास को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। किसान, युवा, महिलाएं और गरीब वर्ग इस बजट के केंद्र में हैं। एमएसएमई सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे उत्तर प्रदेश के छोटे और मध्यम उद्योगों को बड़ा लाभ मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि यह बजट भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है और उत्तर प्रदेश इससे सर्वाधिक लाभ उठाने वाला राज्य होगा। बजट में प्रस्तावित सात रेलवे कॉरिडोर में से दो कॉरिडोर उत्तर प्रदेश को मिले हैं। आने वाले समय में इससे राज्य को बेहतर कनेक्टिविटी, तेज रेल सेवाओं और आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि का लाभ मिलेगा। साथ ही, अंतर्देशीय जलमार्गों (वॉटरवेज) के उपयोग से भी प्रदेश को फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि ललितपुर में 1200 एकड़ भूमि पर बायोफार्मा सेक्टर को विकसित किया जा रहा है। ग्लोबल बायोफार्मा के लिए केंद्र सरकार ने बड़े बजट का प्रावधान किया है। इसके अलावा भारत को डाटा सेंटर हब बनाने के लिए 22 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसका सीधा लाभ उत्तर प्रदेश को मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश में सबसे अधिक ग्राम पंचायतें उत्तर प्रदेश में हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इससे युवाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने में मदद मिलेगी। महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं को विभिन्न सेक्टरों में काम करने के अवसर मिल रहे हैं। केंद्र सरकार की योजना के तहत हर जनपद में कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश तेजी से पर्यटन हब के रूप में उभर रहा है। माघ मेले में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं से यह स्पष्ट है कि थोड़े से प्रयास और बेहतर व्यवस्थाओं से हर धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल को बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है।

विक्रम मजीठिया को मिली जमानत, धर्मांतरण विरोधी कानून मामल में केंद्र और 12 राज्यों को नोटिस जारी

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारत में गिरिजाघरों (चर्च) की राष्ट्रीय परिषद की ओर से दायर एक नई जनहित याचिका सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के साथ राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश सहित 12 राज्यों से उनके धर्मांतरण विरोधी कानूनों की वैधता को चुनौती देते हुए जवाब मांगा। नेशनल काउंसिल ऑफ चर्चेस इन इंडिया (एनसीसीआई) की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोरा ने इन राज्यों के कानूनों के लागू किए जाने पर रोक लगाने की मांग की। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एनसीसीआई की दलीलों पर ध्यान दिया और केंद्र तथा 12 राज्य सरकारों से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। नए आवेदनों को लंबित आवेदनों के साथ जोड़ने का आदेश देते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि तीन न्यायाधीशों की पीठ इन सभी पर एक साथ सुनवाई करेगी। केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि राज्य के कानूनों को चुनौती देने वाली इसी तरह की याचिकाएं लंबित हैं। विधि अधिकारी ने कहा, श्हमारा जवाब तैयार है और जल्द ही दाखिल किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को आय से अधिक संपत्ति के मामले में जमानत दे दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली मजीठिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया, जिसमें उन्हें इस मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने गौर किया कि मजीठिया इस मामले में पिछले सात महीनों से हिरासत में है। पिछले साल 4 दिसंबर को दिए अपने आदेश में हाईकोर्ट ने मजीठिया की जमानत याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि जांच को प्रभावित करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। पंजाब सतर्कता ब्यूरो को तीन महीने के भीतर अपनी जांच पूरी करने का निर्देश देते हुए हाईकोर्ट ने कहा था कि इसके बाद मजीठिया जमानत पर रिहाई की मांग कर सकते हैं। पंजाब सतर्कता ब्यूरो ने पिछले साल 25 जून को आय से अधिक संपत्ति के मामले में मजीठिया को गिरफ्तार किया था, जिसमें कथित तौर पर 540 करोड़ रुपये की संपत्ति जमा करने का आरोप है।

शब–ए–बारात पर पटाखों को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट सख्त, रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक इस्तेमाल पर प्रतिबंध

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में शब–ए–बारात के मौके पर अवैध और खतरनाक पटाखों के इस्तेमाल पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने सख्त निर्देश दिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक पटाखे फोड़ने पर पूरी तरह रोक रहेगी। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन की डिवीजन बेंच ने दिया। कलकत्ता हाई कोर्ट ने शब–ए–बारात के मौके पर अवैध और खतरनाक पटाखों के इस्तेमाल पर सख्त निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने राज्य

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) और पुलिस को आदेश दिया है कि त्योहार के दौरान ऐसे किसी भी पटाखे को फोड़ने की इजाजत न दी जाए जो पर्यावरण के लिए नुकसानदेह हों या कानूनन प्रतिबंधित हों। हाई कोर्ट ने साफ कहा है कि रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक पटाखे फोड़ने पर पूरी तरह रोक रहेगी। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन की डिवीजन बेंच ने दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी होगी कि याचिकाकर्ता और उनके परिवार को शब–ए–बारात के दौरानपर्याप्त सुरक्षा दी जाए। याचिकाकर्ता ने शिकायत की थी कि त्योहार के समय अवैध पटाखों से उन्हें परेशानी होती है। इसके अलावा कोर्ट ने पुलिस और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिया है कि वे इस आदेश पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट अगली सुनवाई में पेश करें। मामले की अगली सुनवाई अप्रैल में होगी। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल सरकार ने शब–ए–बारात के अवसर पर बुधवार को राज्य में अवकाश घोषित किया है।

बंग भवन के पास दिल्ली पुलिस से भिड़ गई ममता, एसआईआर पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता की मांग

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दिल्ली के बंगा भवन के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मियों का सामना किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि

वह राष्ट्रीय राजधानी में किसी आंदोलन के लिए नहीं आई हैं। उनका मकसद चुनावी सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाना है।

ममता बनर्जी रविवार को दिल्ली पहुंची थीं। इसके बाद वो बंगा भवन गईं, जो दिल्ली में पश्चिम बंगाल सरकार का गेस्ट हाउस है। वहां वे परिवार ठहरे हुए हैं जो बंगाल में चुनावी सूची की जांच प्रक्रिया से प्रभावित हुए हैं। इमारत के बाहर भारी पुलिस बल तैनात देखकर मुख्यमंत्री नाराज हो गईं। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों से कहा कि वे बंगाल के लोगों के साथ संवेदनशीलता से पेश आएं।

राहुल ने कहा- चीन के चार टैंक डोकलाम आ रहे थे

राजनाथ बोले- जिस किताब का आप जिक्र कर रहे, वह अप्रकाशित

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल नरवणे की किताब का उल्लेख किया, जिस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। स्पीकर ओम बिरला ने भी सदन की परंपरा और नियमों का उल्लेख करते हुए राहुल को आगाह किया कि लोकसभा में ऐसे किसी भी तथ्य का उल्लेख नहीं किया जा सकता, जिसका प्रकाशन नहीं हुआ है। राहुल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा ले रहे थे। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आपत्ति जताई और कहा कि राहुल गांधी सदन को गुमराह ना करें। राहुल गांधी ने सदन में एक अप्रकाशित किताब के कोट्स का हवाला दिया, जो सदन के नियमों के खिलाफ है। जिस पर राहुल गांधी ने कहा कि उनका सोर्स भरोसेमंद है और इसमें एक पूर्व आर्मी जनरल के अप्रकाशित संस्मरणों के कोट्स शामिल हैं। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला ने राहुल गांधी से नियमों का पालन करने की अपील की। ओम बिरला ने कहा कि नियमों और परंपरा से संसद चलना चाहिए। दरअसल, लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राहुल गांधी के भाषण के शुरू होते ही हंगामा हो गया। राहुल गांधी ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की किताब है। आप सब ध्यान से सुनें कि मैं क्या पढ़ रहा हूं? इससे पता चल जाएगा कि कौन देशभक्त है और कौन नहीं। बस इसी के साथ संसद में जोरदार हंगामा शुरू हो गया।

राहुल गांधी ने अपने भाषण में फिर आगे कहा कि चार चीनी टैंक डोकलाम में भारत की धरती पर आ रहे थे। वो 100 मीटर ही दूर थे। राहुल के बस इतना बोलते ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आपत्ति जताई और अपनी सीट से खड़े होकर हस्तक्षेप किया और बोले कि अप्रकाशित पुस्तक का सदन में जिक्र नहीं किया जाता। उन्होंने अपने बयान में कहा कि राहुल गांधी सदन को गुमराह कर रहे हैं। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने भी आपत्ति जताई और कहा कि किसी भी अप्रकाशित किताब का संसद में हवाला नहीं दिया सकता।

लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मैं चाहता हूं कि लोकसभा में विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) वह किताब सदन के सामने पेश करें, जिससे वह कोट कर रहे हैं, क्योंकि जिस किताब का वह जिक्र कर रहे हैं, वह पब्लिश नहीं हुई है। इसके बाद चीन के संदर्भ में बोल रहे राहुल गांधी के समर्थन में बोलते हुए सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा, चीन से जुड़ा मामला बहुत संवेदनशील है। लोकसभा में विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए। इस बीच लोकसभा में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, स्पीकर ने फैसला दिया है कि मैगजीन या अखबारों के आर्टिकल को सदन में कोट नहीं किया जा सकता। सदन में बहस कानूनों के हिसाब से होनी चाहिए। इस दौरान सदन में जारी हंगामे के बीच लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा, विपक्ष के नेता के तौर पर आप सदन में आरोप लगा रहे हैं और नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। यह सही नहीं है।श जिसके जवाब में राहुल गांधी ने कहा, स्पीकर सर, आप ही बता दीजिए कि मुझे क्या बोलना चाहिए। जिस पर ओम बिरला ने जवाब दिया, श्मैं आपका सलाहकार नहीं हूं, लेकिन स्पीकर के तौर पर यह मेरी जिम्मेदारी है कि सदन नियमों के अनुसार चले और चर्चा सिर्फ तय विषय पर ही हो। इस दौरान रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री की लगातार आपत्ति के बीच राहुल गांधी ने सरकार को घेरा और कहा कि आखिर सरकार किस बात से घबरा रही है। राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा, ये डरे हुए हैं, मुझे बोलने नहीं दे रहे। मुझे समझ नहीं आ रहा कि कहते हैं कि ये आतंकवाद से लड़ते हैं। लेकिन एक कोट से डरते हैं। इसमें ऐसा क्या है जो इतना डर रहे हैं। घबरा रहे हैं।

केरल पर्यटन को वैश्विक मॉडल बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार-विजयन

कोच्चि, एजेंसी। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा है कि प्रदेश पर्यटन विकास में खुद को वैश्विक मॉडल बनाने के लिए

एक बड़ी कार्ययोजना बनाने के लिए तैयार है, जो समावेशिता , सुलभता और सतत विकास पर आधारित होगी। विजयन ने केरल पर्यटन और द हिंदू ग्रुप द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित 'केरल फॉर ऑल – टूरिज्म विदाउट बैरियर्स' सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि राज्य वैश्विक पर्यटकों की बदलती पसंद के हिसाब से नए पर्यटन सेवाओं को भी विकसित कर रहा है, साथ ही यह भी पक्का कर रहा है कि इसके फायदे समाज के सभी वर्गों तक पहुंचें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित कार्ययोजना समावेशिता और विकास–उन्मुख उपायों पर आधारित होगी, जिसका मकसद केरल के पर्यटन क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और सामाजिक रूप से जिम्मेदार बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार का विजन यह पक्का करना है कि राज्य के सभी पर्यटन स्थल चाहे वे बड़े हों या छोटे सभी पर्यटकों के लिए बिना किसी रुकावट के समान रूप से मजेदार और सुलभ हों।

युवाओं के लिए नये अवसर पैदा करेगा बजट - रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि इस बार पेश किया गया केंद्रीय बजट विकसित भारतष के विजन को दर्शाता है और युवाओं के लिए नये अवसर पैदा करते हुए देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा। रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली को बजट में 1,348 करोड़ रुपये का आवंटन मिला है। उन्होंने कहा कि यह बजट सबका साथ, सबका विकास के विजन को हकीकत में बदलने में मदद करेगा और भारत की प्रगति को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगा। उन्होंने कहा,ष्यह बजट युवाओं को

सशक्त बनाता है, अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, और इसका लाभ हर वर्ग तक पहुंचेगा। इसे अगली पीढ़ी का बजट कहना गलत नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आवंटन से अधिकतम लाभ उठाने के लिए दिल्ली सरकार केंद्र के साथ मिलकर काम करेगी। दिल्ली के लिए विशेष रूप से निर्धारित 1,348 करोड़ रुपये के अलावा केंद्र ने दो केंद्र शासित प्रदेशों, दिल्ली और पुडुचेरी के लिए एसएएससीआई के तहत 15,380 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिन्हें दोनों के बीच बांटा जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह राशि बढ़ाई गई है और दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि शहर को उसका अधिकतम संभव हिस्सा मिले। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र शासित प्रदेशों के लिए केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत 13,611 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं, जिससे दिल्ली को और फायदा होगा। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के केंद्रीय अस्पतालों को बढ़ी हुई फंडिंग मिली है, जिससे निवासियों को सीधे फायदा होगा। उन्होंने पांच नए शिक्षा केंद्रों की केंद्र की घोषणा का भी स्वागत किया।

रिटायर्ड दरोगा की घर में घुसकर हत्या, सुबह खून से लथपथ मिला शव

प्रयागराज। लालापुर थाना क्षेत्र के मदुरी गांव में सेवानिवृत्त दरोगा की हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी सुबह उस समय हुई जब नातिन नाश्ता लेकर पहुंची। खून से लथपथ शव बिस्तर पर पड़ा था। मकान का दरवाजा अंदर से बंद था। बदमाश मकान के पीछे वाले दरवाजे से दाखिल हुए थे।

लालापुर थाना क्षेत्र के मदुरी गांव में रिटायर्ड दरोगा रामजतन मिश्रा (70) की हत्या कर दी गई। कातिल घर के पीछे वाले रास्ते से घुसे थे। घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। घटना की जानकारी सोमवार को सुबह साढ़े नौ बजे उस समय हुई जब नातिन नाश्ता लेकर पहुंची। मकान का दरवाजा बाहर से बंद था। दूसरे कमरे में भी खून फैला था। घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

लालापुर थानाक्षेत्र के मदुरी गांव में बीतीरात रिटायर्ड दारोगा की घर में घुसकर हत्या कर दी गई। सोमवार सुबह साढ़े नौ बजे नातिन यशी मिश्रा नाश्ता लेकर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था। यशी ने बाबा को फोन किया तो फोन बंद था। फिर उसने अपने भाई प्रवीण को फोन किया। प्रवीण लगभग दस बजे पहुंचा। घर के पीछे का दरवाजा खुला था।

बाबा को आवाज लगाया तो कोई आवाज नहीं आई। वह दूसरे कमरे में दाखिल हुआ तो वहां काफी खून फैला था। जब वह अंदर दूसरे कमरे में पहुंचा तो राम जतन मिश्रा (70) का खून से लतपथ शव पड़ा था। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। सूचना पाकर मौके पर एसीपी बारा निकिता श्रीवास्तव, थानाध्यक्ष लालापुर फारेंसिक टीम के साथ पहुंचे। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

गहमा गहमी के बीच अंतिम दिन का मतदान शुरू, प्रत्याशियों ने झोंकी पूरी ताकत

प्रयागराज। बार कौंसिल उप्र चुनाव का तीसरा दिन शांतिपूर्ण रहा। दिनभर मतदान केंद्रों पर अधिवक्ताओं की भीड़ देखने को मिली। अब तक करीब 15 हजार नौ सौ 22 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके हैं। बार कौंसिल उप्र चुनाव का तीसरा दिन शांतिपूर्ण रहा। चौथे और अंतिम दिन का मतदान

सोमवार को काफी गहमागहमी के बीच शुरू हो गया है। प्रत्याशियों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। बार काउंसिल कार्यालय के बाहर जेएलएन रोड बैनर पोस्टर से पटा है। सड़कों पर सिर्फ पंफलेट ही दिख रहा है। दिनभर मतदान केंद्रों पर अधिवक्ताओं की भीड़ देखने को मिली। अब तक करीब 15 हजार नौ सौ 22 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके हैं। सोमवार को अंतिम दिन मतदान हो रहा है। इस बार प्रयागराज में चार दिन तक मतदान होना है। 30 जनवरी से मतदान शुरू हुआ था, जो दो फरवरी को समाप्त होगा। चुनाव में करीब 333 उम्मीदवार मैदान में हैं। ऐसे में अंतिम दिन मतदान प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। चौथे और अंतिम दिन सोमवार जारी है। प्रत्याशी और उनके समर्थक अंतिम समय तक मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं। मतगणना लिए अभी तिथि निर्धारित नहीं हुई है।

प्रतियोगी छात्रा ने जहर खाकर दी जान, उपचार के दौरान अस्पताल में थमीं सांसें

प्रयागराज। धूमनगंज में रहने वाली एक प्रतियोगी छात्रा ने जहर खाकर जान दे दी। घटना की जानकारी होने पर परिजनों ने उसे रविवार की रात सवा नौ बजे अस्पताल में भर्ती कराया था। सोमवार को दोपहर में उसकी सांसें थम

गईं। धूमनगंज में रहने वाली एक प्रतियोगी छात्रा ने जहर खाकर जान दे दी। घटना की जानकारी होने पर परिजनों ने उसे रविवार की रात सवा नौ बजे अस्पताल में भर्ती कराया था। सोमवार को दोपहर में उसकी सांसें थम गईं।

धूमनगंज इलाके के चक मीरपट्टी की रहने वाले सुरेश गौतम मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करते हैं। उनके दो बेटे और दो बेटियां हैं। तीसरे नंबर की बेटी नीलम गौतम (24) प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करती थी। रविवार को देर शाम उसने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। जानकारी होने पर परिजन उसे लेकर एसआरएन अस्पताल पहुंचे। यहां रात भर उपचार चला। दूसरे दिन सोमवार को उसकी सांसें थम गईं।

माघ मेले में घना रहा कोहरा

प्रयागराज। पश्चिमी विक्षोभ के कारण अगले 48 घंटे में मौसम एक बार फिर करवट ले सकता है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि तापमान में उतार–चढ़ाव के साथ धूप–छांव के बीच बादलों की आवाजाही और कहीं–कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण अगले 48 घंटे में मौसम एक बार फिर करवट ले सकता है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि तापमान में उतार–चढ़ाव के साथ धूप–छांव के बीच बादलों की आवाजाही और कहीं–कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। रविवार को शहरी इलाके में आसमान साफ रहा, लेकिन माघ मेला और अरैल क्षेत्र में घना कोहरा रहा। रविवार को अधिकतम तापमान 23.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान मामूली अंतर के साथ 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पहाड़ों पर बर्फबारी की वजह से सर्द हवाएं ठिठुरन का कारण बनीं। मेला क्षेत्र में सुबह सवा छह बजे के बाद कोहरा और घना होने से दृश्यता 20 मीटर तक सिमट गई। 10 बजे के बाद से धीरे–धीरे कोहरा छंटने के बाद खिली धूप ने लोगों को सर्दी से राहत दी। मौसम विज्ञानी इविवि के डॉ. शैलेंद्र राय के मुताबिक एक और विक्षोभ सक्रिय है। इससे बादलों की आवाजाही हो सकती है। कहीं–कहीं बूंदे भी पड़ सकती हैं।

आ अब लौट चलें: पुण्य की गठरी के साथ पिपिया में भरा गंगाजल, कल्पवासी चले घर, 15 को महाशिवरात्रि का अंतिम स्नान

प्रयागराज। पुण्य की गठरी के साथ पिपिया में गंगाजल भरकर कल्पवासी घर वापसी करने लगे हैं। मकर संक्रांति के दिन मेला आए कल्पवासी समेटे पिपिया में गंगाजल भरकर घर वापसी करते रहे।

वहीं, मकर संक्रांति से मेला क्षेत्र में आए श्रद्धालु सोमवार को परीवा तिथि की वजह से का मान रात में 3रू46 बजे तक रहेगा। इस दौरान सभी 24 घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। लोगों ने पूजन–अर्चन के साथ दीपदान भी किया।

त्रिजटा स्नान के बाद घर लौटेंगे। 15 को महाशिवरात्रि का अंतिम स्नान पर्व है।

प्रयागराज में माघ मेले के पांचवें स्नान पर्व माघी पूर्णिमा पर कल्पवास का संकल्प पूरा करने के लिए गंगा–त्रिवेणी संगम स्नान किया। पुण्य की डुबकी लगाकर कल्पवासी रविवार से ही रेणुका प्रसाद ले विदा होने लगे। स्नान करने वाले श्रद्धालु पुण्य की गठरी मेले में रुकेंगे। त्रिजटा स्नान कर तीन फरवरी से वापसी करेंगे। मेले का अंतिम स्नान पर्व 15 फरवरी को महाशिवरात्रि का होगा।

रविवार को सूर्योदय पूर्व ब्रह्म मुहूर्त में सुबह 5रू05 बजे पूर्णिमा तिथि संचरण होने के साथ संगम तीरे हर–हर गंगे, माधव सकल काम साधो के जयघोष से आरंभ स्नान रात तक चलता रहा। ज्योतिषियों के मुताबिक पूर्णिमा

विदा हो रहे कल्पवासियों ने किया साष्टांग प्रणाम

संगम की रेती पर एक माह के कल्पवास के बाद रविवार को जब विदाई की बेला आई तो बारह बरस पर कल्पवास पूर्णता का भंडारा करने वाले भावुक हो गए। वहीं, अन्य कल्पवासियों ने मां गंगा की गोद से जाने से पहले साष्टांग प्रणाम किया। तकिया पाटन जिला उन्नाव की गुलाबो ने सुबकते हुए कहा तीन महीने आने की तैयारी में लगे। एक महीना कैसे बीता पता ही नहीं चला। गंगा मइया से प्रार्थना है कि अगले साल भी अपनी गोदी में कल्पवास करने की शक्ति दें।

शिविरों में विसर्जित की जौ की बाली और ले गए तुलसी का बिरवा

कल्पवासियों ने शिविर के बाहर बोई गई जौ की बालियां गंगा में विसर्जित कर दीं। कुछ लोग कुछ बालियां घर ले गए हैं। वहीं, तुलसी का पूजन–अर्चन कर लोग परंपरानुसार तुलसी का बिरवा घर ले गए वहीं कुछ ने गंगा में विसर्जित कर दिया।

संत भी शिविरों से मठों होंगे रवाना

माघ मेला क्षेत्र में संतों के शिविरों और पंडालों में अभी तक भजन–कीर्तन, प्रवचन, हवन, श्रीमद्भागवत और रामचरितमानस की गूंज थी। कहीं राम तो कहीं भागवत कथा में श्रद्धालु जुटते रहे। अब माघी पूर्णिमा स्नान के बाद अब संत–महात्मा भी अगले माघ मास में मिलने के वादे के साथ संगम की रेती से विदा लेकर मठों के लिए रवाना होंगे।

जंक्शन पर श्रद्धालुओं की भीड़, रेलवे ने ऑन-डिमांड चलाई स्पेशल ट्रेनें

प्रयागराज। माघी पूर्णिमा स्नान पर्व के बाद संगम नगरी से विदा होने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने रविवार को रेलवे स्टेशनों पर दबाव बढ़ा दिया। माघी पूर्णिमा स्नान पर्व के बाद संगम नगरी से विदा होने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने रविवार को रेलवे स्टेशनों पर दबाव बढ़ा दिया।

यात्रियों की अचानक बढ़ी भीड़ और ट्रेनों की लेटलतीफी को देखते हुए उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के अफसरों ने मोर्चा संभाला और अयोध्या व पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के लिए ऑन–डिमांड स्पेशल ट्रेनें चलाकर यात्रियों को राहत दी।

प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर चार और पांच पर यात्रियों का जमावड़ा लग गया। दिल्ली रूट की ट्रेनों के घंटों विलंब से चलने के कारण बिहार और हावड़ा की तरफ जाने वाले यात्रियों का दबाव स्टेशन में बढ़ गया। इसी तरह प्रयाग स्टेशन पर दोपहर के समय अयोध्या जाने वाले यात्रियों की कतारें लग गईं। यहां यात्री आश्रय स्थल भी भर गया।

इसके बाद रेलवे प्रशासन ने रूटीन ट्रेनों के अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया। वहीं, दूसरी ओर यूपी रोडवेज की ओर से भी पूर्वांचल के तमाम शहरों के लिए 500 से अधिक बसों का संचालन किया गया। इसके अलावा कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, मिर्जापुर व बांदा रूट पर भी 600 के आसपास बसें संचालित की गईं।

अफसरों ने कंट्रोल रूम से की मॉनिटरिंग

भीड़ प्रबंधन को चाक–चौबंद रखने के लिए डीआरएम रजनीश अग्रवाल और आरपीएफ के सीनियर डीसीएम विजय प्रकाश पंडित सुबह से ही सक्रिय रहे। स्टेशन डायरेक्टर वीके द्विवेदी खुद प्लेटफॉर्म पर मौजूद रहकर भीड़ को नियंत्रित करते दिखे। यात्रियों की सुविधा के लिए झूंसी और रामबाग स्टेशनों से भी 17 मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया, ताकि श्रद्धालुओं को सुगमता से गंतव्य तक पहुंचाया जा सके।

कुंडली और ग्रहों की दशा ही नहीं, शादी के लिए मेडिकल फिटनेस भी हो गई जरूरी

प्रयागराज। शादी के लिए जन्म कुंडली और ग्रहों की दशा के साथ अब लोगों ने आपसी समझौते से साइकोलॉजिकल फिटनेस, हेपेटाइटिस, एड्स व शुगर की जांच को भी सुखमय वैवाहिक जीवन का आधार बना लिया है।

शादी के लिए जन्म कुंडली और ग्रहों की दशा के साथ अब लोगों ने आपसी समझौते से साइकोलॉजिकल फिटनेस, हेपेटाइटिस, एड्स व शुगर की जांच को भी सुखमय वैवाहिक जीवन का आधार बना लिया है। खासतौर से बड़े व्यापारियों व बाहर रहकर नौकरी करने वाले लोगों ने इसकी शुरुआत की है। विशेषज्ञ चिकित्सक स्वस्थ जीवन के लिए इसे एक अच्छी पहल मान रहे हैं।

नौकरी के लिए रह रहे थे बाहर, कराई एड्स व हेपेटाइटिस की जांच

जॉर्जटाउन और मम्फोर्डगंज के दो परिवारों के बेटे व बेटी की आपस में शादी की बात शुरू हुई। दोनों शहर के बाहर रहकर नौकरी कर रहे हैं। इसपर दोनों परिवारों ने आपसी सहमति से शादी से पहले उनकी हेपेटाइटिस, एड्स व शुगर की जांच कराना जरूरी समझा। जांच में दोनों की रिपोर्ट सामान्य आई। दोनों परिवारों के लोगों का कहना है कि कुंडली के साथ अगर स्वास्थ्य को भी परख लिया जाए तो इसमें कुछ गलत नहीं है।

अधिक गुस्से की वजह से शादी से पहले साइकोलॉजिकल टेस्ट

प्रतापगढ़ निवासी 30 वर्षीय युवती की शादी कटरा निवासी 34 वर्षीय युवक के साथ नवंबर 2025 में तय हुई। फरवरी 2026 में दोनों का विवाह होना है। शादी तय होने के बाद लड़का–लड़की एक–दूसरे के साथ फोन पर बात करने। इस दौरान लड़की बात–बात पर गुस्सा होकर लड़के का नंबर दो से तीन दिन के लिए ब्लॉक कर देती थी।

शुरुआत में किसी ने इसपर ज्यादा ध्यान नहीं दिया, लेकिन कुछ समय बाद लड़के ने अपने परिजनों को लड़की की इस आदत के बारे में बताया। इसपर दो पक्षों ने आपसी सहमति से लड़की का साइकोलॉजिकल टेस्ट (मानसिक परीक्षण) कराया। इसमें लड़की इंटरमिटेंट एक्सप्लोसिव डिसऑर्डर से ग्रसित मिली। इसके बाद लड़के के परिजनों से उपचार पूरा होने के बाद शादी करने पर हामी भरी है।

अभी तक करीब चार ऐसे मामले आए हैं, जिसमें परिजनों ने आपसी समझौते से शादी से पहले अपने बच्चों की हेपेटाइटिस, एड्स व शुगर की जांच कराई है। इन परिजनों का मानना है कि ग्रह नक्षत्रों के साथ स्वास्थ्य के बारे में भी जानकारी होना जरूरी है। – डॉ. वैशाली सिंह, प्रमुख अधीक्षक, कैंटोनमेंट हॉस्पिटल

कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें लोग जरा सा संदेह होने पर शादी से पहले लड़के व लड़की के मानसिक स्वास्थ्य को परख रहे हैं। वहीं, कई ऐसे भी लोग हैं जो लड़के व लड़की के स्वस्थ होने तक शादी के लिए इंतजार करने को भी तैयार हैं। – डॉ. राकेश पासवान, मनोचिकित्सक परामर्शदाता, कॉल्विन हॉस्पिटल

पीड़ितों को न्याय ना मिला तो फुगाना थाना पर होगी अति पिछड़ों की पंचायतः मोहन प्रजापति

मुजफ्फरनगर स आज भारतीय अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति के नेतृत्व में दर्जनों लोगों ने एसएसपी संजय वर्मा से मुलाकात की जिसमें मोहन प्रजापति ने बताया है कि फुगाना थाना के गांव खरड़ निवासी प्रजापति समाज के रमेश मनोज मिंटू महावीरी की जमीन पर गांव के दबंग भूमाफिया कृष्णपाल पुत्र महावीर ने करीब 6 महीने से कब्जा कर रखा है जबकि आरोपी कृष्ण पाल का मकान खुद सरकारी बंजर जमीन पर बना है जो जांच के दायरे में आता है वही आरोपी अन्य लोगों की जमीन भी धीरे धीरे कब्जा रहा हे वही 30 जनवरी को दबंग कृष्णपाल वे उसके पुत्र पुष्पेंद्र वे काला ने पीड़ित मिंटू वे सनी पर रास्ते में रोक कर जानलेवा हमला किया और उनकी मोटरसाइकिल

छीन ली थी जिसकी शिकायत पीड़ितों ने फुगाना थाना में की थी पुलिस ने बाइक आरोपी के घर से बरामदकर कर थाने में खड़ी कर ली है और अन्य कोई कार्यवाही पुलिस ने नहीं की राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने कहा है कि फुगाना पुलिस दबंग लोगों से मिली भगत कर कार्यवाही नहीं कर रही है जिसकी वजह से समाज में रोष है वही दबंग लोग पीड़ित परिवारों को हत्या की धमकी दे रहे हैं जिसकी वजह से पीड़ित परिवार के लोग डरे हुए एसएसपी को दिए ज्ञापन में राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने चेतावनी के साथ मांग की है कि दबंग भूमिया कृष्णपाल वे उसके पुत्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर जेल भेजे वह पीड़ित परिवार के जान माल की रक्षा की जाए नहीं तो मोर्चा द्वारा फुगाना थाना पर होगी अति पिछड़ों की पंचायत जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस दौरान प्रदेश प्रभारी रामपाल सिंह पाल, जिला अध्यक्ष विजय पाल, वरिष्ठ नेता रामनिवास प्रजापति एडवोकेट,जिला उपाध्यक्ष रवि पाल, विनोद प्रजापति प्रधान, मनोज प्रजापति, नवीन प्रजापति, मिंटू, राजवीर, सुरेश प्रजापति, सनी प्रजापति, राहुल प्रजापति, संजीव प्रजापति, पप्पू प्रजापति आदि।

विद्यालय परिसर में घुसा नहर का पानी, बच्चों की सुरक्षा पर खतरा

प्रयागराज। बहरिया के कहली गांव स्थित संविलयन विद्यालय कहली इन दिनों जलभराव से जूझ रहा है। मऊआइमा रजबहा में तेज बहाव के कारण नहर का बंधा टूट गया। जिससे आसपास के गेहूं के खेत जलमग्न हो गए और पानी विद्यालय परिसर में भी भर गया है। बहरिया के कहली गांव स्थित संविलयन विद्यालय कहली इन दिनों जलभराव से जूझ रहा है। मऊआइमा रजबहा में तेज बहाव के कारण नहर का बंधा टूट गया। जिससे आसपास के गेहूं के खेत जलमग्न हो गए और पानी विद्यालय परिसर में भी भर गया है। विद्यालय प्रांगण में कई दिनों से पानी भरा होने के कारण छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों और विद्यालय स्टाफ में चिंता बढ़ गई है। विद्यालय का शौचालय भवन भी पानी से भर गया है, जिससे स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी गई है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। प्रधानाध्यापक नीरज कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि वह दो दिन के प्रशिक्षण पर बाहर हैं। उन्होंने उच्च अधिकारियों को जलभराव की स्थिति से अवगत करा दिया है।

नैनी जेल के बंदी रक्षक का शव फंदे से लटकता मिला, हाल ही में हुई थी सगाई

प्रयागराज। केंद्रीय कारागार नैनी में तैनात बंदी रक्षक का शव फंदे से लटकता मिलने से हड़कंप मच गया। मऊ जिले के मोहम्मदाबाद के रहने वाले बंदीरक्षक पृथ्वीराज चौहान (28) की कुछ माह पहले ही सगाई हुई थी। ड्यूटी पर न पहुंचने पर जेल के सिपाही जब कमरे पर बुलाने गए तो शव को फंदे से लटका देख सन्न रह गए। सेंट्रल जेल नैनी में तैनात बंदी रक्षक का शव कमरे में फंदे से लटकता मिला। ड्यूटी पर न पहुंचने पर जेल के सिपाही जब उसके घर पहुंचे तो उसका शव फंदे से लटक रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया। घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। हाल में ही उसकी सगाई हुई थी।

मऊ जिले के मोहम्मदाबाग निवासी बंदी रक्षक पृथ्वीराज चौहान (28) पुत्र प्रभु चौहान 2021 से नैनी सेंट्रल जेल में बतौर बंदीरक्षक तैनात था। वह नैनी थाना क्षेत्र के चकदोंदी मोहल्ले में किराए का कमरा लेकर रहता था। रविवार रात में उसकी जेल में ड्यूटी लगाई गई थी। समय से ड्यूटी पर न पहुंचने पर रात करीब नौ बजे जेल प्रशासन ने उसे फोन किया गया तो फोन रिसीव न होने पर जेल का सिपाही उसके कमरे में उसे बुलाने गया। यहां पहुंचने पर कमरे में पृथ्वीराज का शव फंदे से लटकता मिला। सूचना पाकर जेल के तमाम अधिकारी पहुंच गए। पुलिस ने शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। बताया जाता है कुछ माह पहले ही उसकी सगाई गुई थी। अगले महीने उसकी शादी होने वाली थी। सूचना पाकर परिजन पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंच गए।

फरवरी में कई खगोलीय घटनाएं, राशियों पर पड़ेगा असर

प्रयागराज। फरवरी माह में कई खगोलीय घटनाएं होंगी। चंद्रमा अलग–अलग ग्रहों के साथ युगलबंदी करता नजर आएगा। 16 फरवरी को चंद्रमा के सबसे नजदीक मंगल ग्रह होगा। हर माह कोई न कोई ग्रह का आपस में तालमेल बैठता है। जिसका असर राशियों पर पड़ता है। फरवरी माह में कई खगोलीय घटनाएं होंगी। चंद्रमा अलग–अलग ग्रहों के साथ युगलबंदी करता नजर आएगा। 16 फरवरी को चंद्रमा के सबसे नजदीक मंगल ग्रह होगा। हर माह कोई न कोई ग्रह का आपस में तालमेल बैठता है। जिसका असर राशियों पर पड़ता है। सूर्य 14 जनवरी से मकर राशि में है।

अपने मार्ग पर गति करता हुआ यह 13 फरवरी को कुंभ राशि में प्रवेश करेगा। आसमान साफ होने पर इसे बिना टेलीस्कोप के भी देखा जा सकता है। सबसे छोटा ग्रह बुध कुंभ राशि में है। सूर्योदय से एक घंटे पूर्व दोनों ग्रहों को देखा जा सकता है। सबसे चमकीला ग्रह शुक्र मीन राशि और लाल ग्रह मंगल भी कुंभ राशि में है। सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति मिथुन राशि में है। इसी क्रम में वलयाकार शनि ग्रह मीन राशि में है। तारामंडल की वैज्ञानिक सुरूर फातिमा ने बताया कि एक फरवरी को पूर्णिमा थी। 16 फरवरी को चंद्रमा के पास मंगल ग्रह, 17 को अमावस्या, 20 को चंद्रमा के पास शनि और 27 को बृहस्पति रहेगा।

जिला वॉलीबाल संघ, प्रयागराज का चुनाव 7 फरवरी को

दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज गौसौराकलां, मेजा के सभागार में होगा चुनाव

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन,प्रयागराज का चुनाव 7 फरवरी 2026 को मेजा के दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज गोसौराकलां के सभागार में होगा। विदित हो कि पिछले माह एसोसिएशन की एक खुली बैठक के दौरान वर्तमान कार्यकारिणी समिति को भंग कर दिया गया था। चुनाव में भाग लेने हेतु इच्छुक प्रत्याशी के नामांकन की प्रक्रिया 31 जनवरी 2026 से शुरू होकर 3 फरवरी 2026 तक जारी रहेगी। समस्त प्रत्याशी द्वारा नामांकन फार्म–1 भरकर चुनाव अधिकारी के पास अंतिम तिथि 3 फरवरी 2026 तक अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। जबकि उसी क्रम में एसोसिएशन से संबद्ध जिले के समस्त क्लब इकाईयां, स्कूल / कॉलेज व विश्वविद्यालय आदि अपने संस्था के लेटर हेड पर नामित प्रतिनिधि अथवा स्वयं के प्रतिभाग करने की सूचना ईमेल आईडी. – dvaprayagraj@gmail.com और व्हाट्सएप नंबर 9452401155 पर आगामी 5 फरवरी 2026 तक अवश्य भेजना सुनिश्चित करें। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन(डीवीए),प्रयागराज के कार्यवाहक सचिव आर.पी.शुक्ला ने बताया कि उपरोक्त चुनाव सरकार की गाइड लाइन के अनुसार नामित पर्यवेक्षकों की देख–रेख में संपन्न होगा। जिसके लिए बास्केटबॉल के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आर.एस.बेदी को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। चुनाव में भाग लेने वाले सभी सदस्यों को आधार कार्ड की मूल प्रति साथ मे लाना अनिवार्य होगा।

पुण्यतिथि पर याद किए गए आचार्य रामचंद्र शुक्ल

मिर्जापुर। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल स्मारक शिक्षण संस्थान की ओर से बरौंधा कचार स्थित आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पार्क में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी के प्रतिमा पर श्री श्यामसुंदर केसरी नगरपालिका अध्यक्ष ने माल्यार्पण करके 85 वीं पुण्य तिथि मनाई गई उन्होंने वक्तब्य में कहा कि हमारा सौभाग्य है कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जैसे महान साहित्यकार ने मिर्जापुर को अपना कार्य क्षेत्र बनाया उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा हूं। संस्था के प्रबंधक आचार्य शुक्ल जी के पौत्र राकेश चंद्र शुक्ल ने कहा कि समाज के अमूल्य,हिंदी साहित्य के पुरोधा थे आचार्य रामचन्द्र

शुक्ल! अनुज प्रताप सिंह समाजसेवी ने कहा कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने विपरीत परिस्थितियों में भी हिंदी साहित्य का इतिहास लिखने का कार्य किया जो प्रशंसनीय, सराहनीय है। रमेश चंद्र दुबे,समाजसेवी ने कहा कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल सच्चे राष्ट्रवादी भी थे। गुलाव सिंह गहरवार ने कहा कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल हिंदी जगत में न अस्त होने वालें मार्तंड थे। हौसला प्रसाद मिश्र समाजसेवी ने कहा कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी ने हिंदी विधा में जो योगदान दिया उसी का प्रतिफल है – जो आज भी हिंदी विकास की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर आशीषचंद्र शुक्ल प्रधानाचार्य, पं नरेश शर्मा,देवी प्रसाद तिवारी, आनंद अमित प्रजापति,कवि साहित्यकार,विजय प्रजापति सभासद, मानस मोहल्ले अशर्फी लाल पटवा, इंद्रजीत शुक्ल, अमरनाथ सिंह वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा आदि गण मान्य लोग आचार्य शुक्ल जी को भावमिनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 02 जनवरी 2026 को विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर जागरूकता एवं भाषण प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर ओरल भाषण एवं पीपीटी द्वारा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 22 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका प्रो. ऋचा शुक्ला द्वारा निभाई गई। छात्राओं ने आर्द्रभूमि संरक्षण विषय पर आत्मविश्वास एवं प्रभावशाली विचारों के साथ अपने भाषण प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि आर्द्रभूमियाँ जल शुद्धिकरण, बाढ़ नियंत्रण, जलवायु संतुलन बनाए रखने तथा जैव

विविधता के संरक्षण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ओरल भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान – महिमा, द्वितीय स्थान – मुस्कान सिंह, तृतीय स्थान – सौम्या सिंह ने प्राप्त किया।

वहीं पीपीटी प्रस्तुति प्रतियोगिता में प्रथम स्थान –सताक्षी त्रिवेदी, द्वितीय स्थान – पार्ची तिवारी, तृतीय स्थान – अनन्या श्रीवास्तव को प्रदान किया गया।

सभी विजेता छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या प्रो. मंजूला उपाध्याय ने छात्राओं के सारगर्भित एवं ज्ञानवर्धक प्रस्तुतिकरण की सराहना की तथा पर्यावरण एवं आर्द्रभूमि संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विभाग के समस्त शिक्षकगण एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं।

उच्च न्यायालय में किया गया गंगानाथ झा परिसर के निदेशक का सम्मान

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर के कर्मठ एवं यशस्वी निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी को आज उच्च न्यायालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में अपर महाधिवक्ता श्री अशोक मेहता की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी को अधिष्ठाता (शैक्षणिक) के पद पर नियुक्त होने पर शुभकामनाएँ देते हुए उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं द्वारा उनका अभिनन्दन किया गया। संस्कृत भाषा, भारतीय परम्परा एवं संस्कृति के उन्नयन हेतु प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी द्वारा किये गये कार्यों की विशेष रूप से सराहना करते हुए अपरमहाधिवक्ता, उच्च न्यायालय श्री अशोक मेहता द्वारा इस अवसर पर उन्हें भारतीय संस्कृति एवं परम्परा का सच्चा उन्नायक बताते हुए संस्कृत भाषा को लोकप्रिय एवं बनाने हेतु उनके प्रयासों की सराहना की गई। इस अवसर पर उन्होंने कर प्रबन्धन एवं श्रम शक्ति के समायोजन के क्षेत्र में शोध हेतु छात्रों एवं माननीय उच्च न्यायलय के अधिवक्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिये गंगानाथ झा परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी की विशेषतः सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षा, चिकित्सा एवं न्याय के क्षेत्र में आने वाले समय में सर्वाधिक मानव संसाधन को समायोजित करने की आवश्यकता जताते हुए इस हेतु विशेष प्रयास करने की

आवश्यकता जताई।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एवं गंगानाथ झा परिसर को एक ऐसी संस्था के रूप में स्थापित किया जो निरन्तर ज्ञान यज्ञ में रत रहते हुए संस्कृत भाषा के प्रचार–प्रसार एवं गुणवत्तापूर्ष शोध कार्यों के सम्पादन के लिये क्रियाशील है। उन्होंने शोध कार्य के प्रति अत्यधिक सजग रहकर सार्थकतापूर्वक शोध कार्य करने को एक महान ज्ञान यज्ञ बताया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराते हुए उन्होंने इस क्षेत्र में रूचि रखने वाले अधिवक्ताओं से प्राचीन भारतीय न्याय प्रणाली के क्षेत्र में कार्य करने मुख्य रूप से आह्वान किया।

कार्यक्रम का संयोजन श्री अजय कुमार मिश्र, संयोजक, भारतीय भाषा अभियान–काशी प्रान्त एवं अधिवक्ता, उच्च न्यायालय ने प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी को एक सच्चा शिक्षाविद् बताते हुए उनके द्वारा संस्कृत भाषा की लोकप्रियता हेतु किये गये प्रयासों की सराहना की। उन्होंने संस्कृत भाषा को न्यायविदों एवं अधिवक्ताओं के बीच लोकप्रिय बनाने हेतु प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी की भूरि भूरि प्रशंसा की। इसके पूर्व उच्च न्यायालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित अधिवक्ताओं ने माल्यार्पण एवं श्रीफल प्रदान कर प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी का स्वागत किया। उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं के साथ ही साथ गंगानाथ झा परिसर के सह निदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे, श्री राजेश कान्त तिवारी सहित अनेकों गणमान्य नागरिक इस अवसर पर उपस्थित रहे।

उच्च न्यायालय में किया गया गंगानाथ झा परिसर के निदेशक का सम्मान

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर के कर्मठ एवं यशस्वी निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी को आज उच्च न्यायालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में अपर महाधिवक्ता श्री अशोक मेहता की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी को अधिष्ठाता (शैक्षणिक) के पद पर नियुक्त होने पर शुभकामनाएँ देते हुए उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं द्वारा उनका अभिनन्दन किया गया। संस्कृत भाषा, भारतीय परम्परा एवं संस्कृति के उन्नयन हेतु प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी द्वारा किये गये कार्यों की विशेष रूप से सराहना करते हुए अपरमहाधिवक्ता, उच्च न्यायालय श्री अशोक मेहता द्वारा इस अवसर पर उन्हें भारतीय संस्कृति एवं परम्परा का सच्चा उन्नायक बताते हुए संस्कृत भाषा को लोकप्रिय एवं बनाने हेतु उनके प्रयासों की सराहना की गई। इस अवसर पर उन्होंने कर प्रबन्धन एवं श्रम शक्ति के समायोजन के क्षेत्र में शोध हेतु छात्रों एवं माननीय उच्च न्यायलय के अधिवक्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिये गंगानाथ झा परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी की विशेषतः सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षा, चिकित्सा एवं न्याय के क्षेत्र में आने वाले समय में सर्वाधिक मानव संसाधन को समायोजित करने की आवश्यकता जताते हुए इस हेतु विशेष प्रयास करने की

आवश्यकता जताई।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एवं गंगानाथ झा परिसर को एक ऐसी संस्था के रूप में स्थापित किया जो निरन्तर ज्ञान यज्ञ में रत रहते हुए संस्कृत भाषा के प्रचार–प्रसार एवं गुणवत्तापूर्ष शोध कार्यों के सम्पादन के लिये क्रियाशील है। उन्होंने शोध कार्य के प्रति अत्यधिक सजग रहकर सार्थकतापूर्वक शोध कार्य करने को एक महान ज्ञान यज्ञ बताया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराते हुए उन्होंने इस क्षेत्र में रूचि रखने वाले अधिवक्ताओं से प्राचीन भारतीय न्याय प्रणाली के क्षेत्र में कार्य करने मुख्य रूप से आह्वान किया।

कार्यक्रम का संयोजन श्री अजय कुमार मिश्र, संयोजक, भारतीय भाषा अभियान–काशी प्रान्त एवं अधिवक्ता, उच्च न्यायालय ने प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी को एक सच्चा शिक्षाविद् बताते हुए उनके द्वारा संस्कृत भाषा की लोकप्रियता हेतु किये गये प्रयासों की सराहना की। उन्होंने संस्कृत भाषा को न्यायविदों एवं अधिवक्ताओं के बीच लोकप्रिय बनाने हेतु प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी की भूरि भूरि प्रशंसा की। इसके पूर्व उच्च न्यायालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित अधिवक्ताओं ने माल्यार्पण एवं श्रीफल प्रदान कर प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी का स्वागत किया। उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं के साथ ही साथ गंगानाथ झा परिसर के सह निदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे, श्री राजेश कान्त तिवारी सहित अनेकों गणमान्य नागरिक इस अवसर पर उपस्थित रहे।

भयहरण नाथ धाम में महाशिवरात्रि मेला व महाकाल महोत्सव के संदर्भ में प्रबन्ध समिति की बैठक संपन्न

6 फरवरी को मेला व मंदिर समिति की संयुक्त बैठक में तैयार होगा ड्यूटी चार्ट

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में 26 वें महाकाल महोत्सव व महाशिवरात्रि के संदर्भ मे प्रबन्ध समिति की बैठक हुई। बैठक में चर्चा करके आवश्यक निर्णय लिया गया वहीं 6 फरवरी को अपराह्न 2 बजे धाम पर मंदिर व मेला समिति की संयुक्त बैठक में कार्यकर्ताओ का ड्यूटी चार्ट व सभी पॉइंट चिंहित होंगे। तय हुआ की मेला व महोत्सव में कार्यकर्ता व पुलिस की उत्तम व्यवस्था होगी तथा सभी पॉइंट पर संयुक्त जिम्मेदारी तय रहेगी वहीं अनावश्यक व अनाधिकृत रूप से अवैद्य कार्य करने वाले तत्वों पूर्व से चिंहित कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित होगी। धाम की प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक का संचालन व संयोजन महासचिव समाज शेखर ने किया। बैठक में तय हुआ की मेला व मंदिर क्षेत्र में परम्परा गत आयोजन होंगे। प्रशासनिक कार्यालय, मेला नियंत्रण कक्ष से सभी व्यवस्था का सुचारु संचालन होगा। तय हुआ कि महाशिवरात्रि के दिन मंचीय कार्यक्रम नही होंगे, सुबह से जलाभिशेक, मेला नियंत्रण व भूला भटका शिविर का संचालन होगा। 14 फरवरी को शिवाभिषेक से महोत्सव का शुभारंभ होगा उसी दिन सत्य सनातन सम्मेलन व सामूहिक सुंदर कांड होगा , 16 को पत्रकार व किसान सम्मेलन तथा 17 को कवि सम्मेलन तथा सामूहिक भजन सत्संग का भव्य आयोजन होगा। कार्यक्रम व अतिथियों को अंतिम रूप देने हेतु महासचिव को जिम्मेदारी दी गई। वहीं महासचिव समाज शेखर ने बैठक के बाद चौकी प्रभारी राजीव वर्मा के साथ मेला व मंदिर क्षेत्र का भ्रमण कर आवश्यक रणनीति तय की। महासचिव ने विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल व नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह के अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव व अधिशाषी अधिकारी प्रदीप मिश्र से मेला व महोत्सव की व्यवस्था पर दूरभाष पर चर्चा की जिस पर दोनों ने सभी व्यवस्था में सहयोग का संकल्प व्यक्त किया। बैठक में तय हुआ कि उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र सभी सदस्यों के साझा सहयोग से एक कोष बनाये और सभी सदस्य व पदाधिकारी की आवश्यक भागीदारी सुनिश्चित करें। बैठक में प्रमुख रूप से राजीव नयन मिश्र, डॉ अशोक अग्रहरि, राज किशोर मिश्र, शत्रुघ्न सिंह, मनीराम पटेल, राम मूर्ति मिश्र, बुद्धि प्रकाश द्विवेदी, धर्मेंद्र पटेल, अवधेश मिश्र, हीरा लाल, राज कुमार गौतम शामिल रहे।

साथ फागुन का पाकर

(छप्पय)

वसंतिक उन्माद कहो मत पागलपन है।
पावन यह अंदाज प्रकृति का अल्हड़पन है।
जीवन का हर रंग समाहित खुद में करके।
भरती मधुर बयार अंक में जीवन भरके।
रौनकता के साथ में मादकता का रंग है।
जिसकी सुखन किताब का अंतिम पाठ उमंग है।।

अद्भुत है बदलाव कहा मौसम ने आकर।
हुई गुनगुनी धूप साथ फागुन का पाकर।
वृक्षों के कुछ पात अलग होकर वृक्षों से।
कहते जीवन सार सुनो इसको अच्छों से।
खेतों में सरसों खिली अमवारी में बौर हैं।
कलियों का रसपान कर भौंरे मस्त विभोर हैं।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सामरिक रूप से महत्वपूर्ण विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने वाला संतुलित बजट

प्रयागराज। भारत विकास परिषद, प्रयाग शाखा एवं वाणिज्य विभाग, सीएमपी महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में केंद्रीय बजट 2026–27 पर परिचर्चा का आयोजन सीएमपी महाविद्यालय में किया गया। मुख्य वक्ता पूर्व विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रो मनमोहन कृष्ण ने पिछले कुछ वर्षों में पूँजीगत व्यय में हुई वृद्धि और फलस्वरूप अधोसंरचना के विकास की सराहना करते हुए कहा कि सेमीकंडक्टर, रेयर अर्थ खनिज, बायोफार्मा और रक्षा क्षेत्र में हुए बजटीय प्रावधान भविष्य

की दृष्टि से और आत्मनिर्भर भारत बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

प्रो कृष्ण ने 1991 के बाद सरकार की बदलती भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि अब सरकार प्रत्यक्ष संचालक के बजाय एक मार्गदर्शक, नियामक और बुनियादी ढांचा निर्माता की भूमिका में है, निजी क्षेत्र को बढ़ावा मिला है। वर्तमान बजट इसी सोच को आगे बढ़ाता है, जहां निजी क्षेत्र को क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। बजट वैश्विक चुनौतियों, विशेषकर चीन से प्रतिस्पर्धा के बीच विनिर्माण क्षेत्र को रणनीतिक समर्थन प्रदान करता है, जो कि महत्वपूर्ण है। प्रो मनमोहन ने कहा कि कॉर्पोरेट क्षेत्र के पास पर्याप्त पूंजी उपलब्ध है, लेकिन निवेश की गति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पा रही है। इसके लिए सरकार को निवेश के लिए अनुकूल वातावरण और प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है, जिसके लिए बजट में प्रत्यक्ष उपाय नहीं हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश, प्रो बी.एल. शर्मा ने बजट के प्रमुख बिंदुओं को रेखांकित करते हुए इसे भविष्य उन्मुख बताया। उन्होंने कहा कि बजट में उच्च शिक्षा, आधारिक संरचना और कृषि क्षेत्र के लक्षित विकास के लिए किए गए प्रावधान अत्यंत सकारात्मक हैं। साथ ही सेमीकंडक्टर, चिप निर्माण, डेटा सेंटर्स और डेटा मैनेजमेंट जैसे उभरते तकनीकी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है, जो देश की विकास गति को तेज करेंगे। प्रो शर्मा ने सुझाव दिया कि संस्थागत विकास कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता है।

चर्चा प्रारंभ करते हुए ईसीसी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर डॉ उमेश प्रताप सिंह ने कहा कि बजट वर्तमान सरकार की नीतियों में तारतम्यता और स्थिरता को दर्शाता है। राजकोषीय अनुशासन बनाए रखते हुए पूँजीगत व्यय में वृद्धि करना सराहनीय है। विकास के दीर्घकालीन लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए बजट में प्रावधान किए गए हैं। एम एस एम ई, सामरिक तथा भविष्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण विनिर्माण क्षेत्र और वस्त्र उद्योग से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणा हुई हैं। इससे भारत के निर्यात और रोजगार बढ़ेगा। कस्टम ड्यूटी में कमी और कर दरों के सरलीकरण से न सिर्फ लागत में कमी आएगी, निर्यात क्षेत्र प्रतिस्पर्धी होगा।

कार्यक्रम के अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अजय खरे ने कहा कि सीमित संसाधनों के होते हुए भी कठिन वैश्विक परिस्थितियों में सरकार द्वारा बजट के माध्यम से विकास को गति देने का प्रयास किया गया है जोकि अत्यंत सराहनीय है।

सीएमपी में वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर सुनील कांत मिश्रा ने कहा कि बजट की प्राथमिकता तात्कालिक लोकप्रिय फैसलों से ज्यादा दीर्घकालिक संवृद्धि और संरचनात्मक मजबूती है।बजट युवा शक्ति, आधारिक संरचना, तकनीकी और गरीबों पर फोकस है। साथ ही उत्पादकता बढ़ाने के प्रयास और सुधारों की निरंतरता साफ दिखाई देती है। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता और विवेकानंद के चित्रों पर माल्यार्पण और वंदे मातरम के गायन के साथ हुआ तथा भारत विकास परिषद के अध्यक्ष श्री राज नारायण अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। भारत विकास परिषद की ओर से इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं अध्यक्ष को प्रतीक चिह्न एवं अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो उमेश प्रताप सिंह ने संचालन तथा सचिव प्रो सुनीलकांत मिश्रा धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर मनीष सिंह, डॉ जगदीश्वर द्विवेदी, शरद गुप्ता, सुनील धवन, राकेश मित्तल, डॉ हर्षामणि सिंह, डा रविन्द्र प्रताप सिंह, आलोक शाह, डॉ उत्तम सिंह एवं अन्य गणमान्य सदस्य तथा विभिन्न कॉलेजों से आये अर्थशास्त्र के शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे।

सम्पादकीय.....

यू.जी.सी. नियमों को लेकर हंगामे के पीछे क्या कोई गहरी साजिश है?

मुझे तो यू.जी.सी. के नए नियमों के पीछे गहरी देशी–विदेशी साजिश की बू आ रही है और एक भूल या जानबूझ कर की गई गलती का राजनीतिक फायदे के लिए शोषण किया जा रहा है। सबसे पहले तो सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार संसद द्वारा कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता में बनाई गई कमेटी ही इस हंगामे के लिए मूलतरू जिम्मेदार है, जिसने शायद धतूरा खाकर वकील इंदिरा जयसिंह द्वारा तैयार रिपोर्ट को बिना किसी गंभीर विचार किए दस्तखत करके शिक्षा मंत्रालय को भेज दिया। ज्ञातव्य हो कि इस कमेटी में हर पार्टी के सांसद थे और आज राजनीतिक फायदे के लिए इस कमेटी के एक भी सदस्य ने सुझाए गए नियमों पर अपनी आपत्ति दर्ज नहीं कराई और अब इनकी पाघ्टयां यू.जी.सी. नियमों के खिलाफ आंदोलन को हवा दे रही हैं। कमेटी की रिपोर्ट से भी ज्यादा मैं मानता हूं कि ज्यादा बड़ी गलती यू.जी.सी. चेयरमैन विनीत जोशी की है और उससे भी बड़ी गलती मानव संसाधन मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की है, जिन्होंने अपने मंत्रालय के मातहत काम करने वाले यू.जी.सी. को देश में चल रहे यू.जी.सी. नियमों के विरुद्ध आंदोलन का मौका दिया। कमेटी, यू.जी.सी. और मानव संसाधन मंत्रालय ने अक्षम्य अपराध किया है जिससे देश भर में जातियों के बीच टकराव पैदा हो गया है। हड़तालें हो रही हैं, बंद हो रहे हैं, छात्र सड़कों पर हैं, विभिन्न जातिवादी संगठन सड़कों पर हैं और राजनीतिक पाघ्टयां तो रोटियां सेंक ही रही हैं। सरकार की गलती तो है ही लेकिन निष्क्रियता और स्तब्धता इस आंदोलन को और उग्र बना रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने वीरवार को बहुत अच्छा निर्णय देते हुए यू.जी.सी. के नए नियमों पर स्थगनादेश देकर कहा कि पुराने नियम ही लागू रहेंगे और यू.जी.सी. एवं सरकार से इन नियमों के संदर्भ में सफाई मांगी है। इस विषय पर अगली सुनवाई सर्वोच्च न्यायालय में 19 मार्च तय कर दी गई है। इस निर्णय का शुरुआत में दोनों पक्षों ने हृदय से स्वागत किया, मिठाई भी बांटी गई लेकिन मुझे लगता है कि तुरंत ही राजनीतिक पाघ्टयों ने सोचा कि मोदी सरकार को घेरने का बहुत बड़ा मौका हाथ से निकल रहा है और सर्वोच्च न्यायालय के संतुलित निर्णय के बावजूद विभिन्न कारणों से इस आंदोलन को जारी रखने का फैसला कर लिया। मुझे तो लग रहा है कि इस आंदोलन में अब विदेशी टूल किट की एंट्री हो गई है, भारतीय राजनीतिक पाघ्टयां कितनी बार कह चुकी हैं कि भारत में भी सरकार बदलने के लिए बंगलादेश, नेपाल, श्रीलंका जैसा जेन–जी आंदोलन होगा और यू.जी.सी. के अनर्गल नियमों ने विपक्षियों को एक देश व्यापी आंदोलन का मौका दे दिया। जब विश्व भर में अस्थिरता चल रही है, भारत का दबदबा बढ़ रहा है, ऐसा कोई भी आंदोलन हमारी प्रगति और विकास को अवरुद्ध कर सकता है। सरकार को चाहिए कि तुरंत हस्तक्षेप कर इस आंदोलन को समाप्त करवाए, वरना आग लगवाने वाले इसे शांत नहीं होने देंगे और सरकार को अस्थिर करने के लिए अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकते रहेंगे और आंदोलन जारी रखवाने में ही अपना हित समझेंगे। देश से उन्हें कोई लेना–देना नहीं है, उन्हें तो येन–केन–प्रकारेण सत्ता चाहिए। सरकार को अपनी गंभीरता दिखाते हुए और इस आंदोलन को शांत करने के लिए विश्वास दिलाना चाहिए कि किसी भी जाति का कोई भी निर्दोष फंसाया नहीं जा सकता और दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। सर्वप्रथम नरेंद्र मोदी को यू.जी.सी. चेयरमैन विनीत जोशी और मानव संसाधन मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त कर देना चाहिए, जिनकी लापरवाही ने सरकार को अनचाही समस्या में डाल दिया है। इसके बाद सभी जातियों के प्रतिनिधियों की एक कमेटी बनाई जानी चाहिए, जो सुझाए कि कैसे किसी भी जाति का कोई निर्दोष फंसे नहीं, दोषी बचे नहीं। कमेटी के सुझाव निष्पक्ष और निरूस्वार्थ दिखने ही नहीं, होने भी चाहिएं। आंदोलनकारियों को भी सोचना चाहिए कि जब सर्वोच्च न्यायालय ने यू.जी.सी. के विवादास्पद नियम पर स्थगनादेश दे दिया है तब इस विषय का निस्तारण होने तक कोई भी आंदोलन राजनीति से ही प्रेरित है, जिसमें देशी–विदेशी ताकतों की साजिश दिखाई दे रही है। देश का हित सर्वोच्च होना चाहिए।

भाजपा कैसे कर रही हरियाणा से पंजाब के लिए अपनी रणनीति का पुनर्निर्माण

मोनिका मलिक

पंजाब में अगला विधानसभा चुनाव अभी दूर है लेकिन राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव आना शुरू हो गया है। विरोध प्रदर्शनों, कानून व्यवस्था पर बहसों और केंद्र–राज्य की खींचतान के बीच, भारतीय जनता पार्टी एक दूरदर्शी पार्टी के धैर्य के साथ चुपचाप अपनी पंजाब रणनीति को नए सिरे से तैयार कर रही है। इस पुनर्समायोजन के केंद्र में एक तेजी से उभरता हुआ और सावधानीपूर्वक स्थापित व्यक्तित्व है– हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। एक सामान्य पर्यवेक्षक के लिए, पंजाब में सैनी की लगातार उपस्थिति सामान्य या प्रतीकात्मक प्रतीत हो सकती है। हालांकि, भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति पर नजर रखने वाले राजनीतिक विश्लेषकों के लिए, यह पार्टी के पंजाब संबंधी दृष्टिकोण को नया रूप देने का एक सुनियोजित प्रयास है। पंजाब में भाजपा की वर्तमान हाशिए की स्थिति अक्सर उसके जटिल चुनावी सफर को छिपा देती है। 2007 और 2012 में, पार्टी शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की सहयोगी के रूप में सत्ता में मजबूती से स्थापित थी, महत्वपूर्ण विभागों पर उसका नियंत्रण था और अमृतसर, लुधियाना, जालंधर, पठानकोट और होशियारपुर जैसे शहरी, हिंदू बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में उसका दबदबा था। शिअद का ग्रामीण सिख बहुल क्षेत्रों में दबदबा था। भाजपा ने सिख राजनीतिक नेतृत्व को चुनौती दिए बिना उसका समर्थन किया। 2022 के विधानसभा चुनावों से पहले गठबंधन का टूटना महंगा साबित हुआ। पंजाब लोक कांग्रेस और शिअद (संयुक्त) के साथ एन.डी.ए. गठबंधन में 73 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए भाजपा को केवल 2 सीटें मिलीं। फिर भी, इस निराशाजनक परिणाम ने एक महत्वपूर्ण तथ्य को छिपा दिया, जिस पर पार्टी के रणनीतिकार लगातार जोर देते हैं। भाजपा का वोट शेयर बढ़कर 6.6 प्रतिशत हो गया, जो उसके पिछले अकेले चुनाव प्रदर्शन से 1.2 प्रतिशत अंक अधिक है। 2024 के लोकसभा चुनावों में यह रुझान और भी स्पष्ट हो गया। हालांकि भाजपा एक भी संसदीय सीट जीतने में असफल रही (2019 में 2 सीटों की तुलना में) लेकिन उसका वोट शेयर 9.63 प्रतिशत से बढ़कर 18.56 प्रतिशत हो गया, जो 5 वर्षों में लगभग 9 प्रतिशत अंकों की वृद्धि है। पार्टी तीन लोकसभा क्षेत्रों में दूसरे स्थान पर रही और 23 विधानसभा क्षेत्रों में आगे रही। केवल 2 विधायकों वाली पार्टी के लिए ये आंकड़े महत्वहीनता का संकेत नहीं हैं। ये भाजपा की उस समस्या को दर्शाते हैं, जिसे वह 'असंभावित वोट' मानती है–ऐसे वोट जिनमें सीटों में परिवर्तित होने की संगठनात्मक क्षमता नहीं है। इस अंतर को पाटने के लिए, निरंतर और सांस्कृतिक रूप से अनुकूलित जनसंपर्क के माध्यम से, नायब सिंह सैनी की भूमिका सामने आती है। भाजपा के लिए सैनी सिर्फ एक कैंपेनर नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संपत्ति हैं। हरियाणा विधानसभा चुनावों के बाद उनका उदय हुआ, जिससे पार्टी के अंदर उनकी स्थिति मजबूत हुई है। हालांकि, पंजाब में उनकी प्रासंगिकता पहचान और छवि के मेल में है, जिसे भाजपा महत्वपूर्ण मानती है। वह सैनी समुदाय से हैं, जिसे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) में वर्गीकृत किया गया है। भाजपा एक व्यापक सामाजिक एकजुटता रणनीति के हिस्से के रूप में गैर–जाट ओ.बी.सी. समूहों को सक्रिय रूप से लुभा रही है। पंजाब में, हिंदू ओ.बी.सी. मतदाता एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, विशेषकर कुछ खास इलाकों में, जिससे यह पहुंच राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भाजपा रणनीतिकारों द्वारा सैनी की व्यक्तिगत पृष्ठभूमि को भी समान रूप से उजागर किया गया है। उनकी मां सिख समुदाय से हैं, साथ ही पंजाबी सांस्कृतिक प्रतीकों को लगातार अपनाने पर भी जोर दिया गया है। पंजाब में पगड़ी पहनना, गुरुद्वारों का दौरा, पंजाबी बोलियों में सहजता, और सिख धार्मिक स्थलों के साथ स्पष्ट जुड़ाव को सिख और पंजाबी डक्षहदू दोनों समुदायों के बीच पुल के रूप में पेश किया जा रहा है। पंजाब में सैनी की गतिविधियां बेतरतीब नहीं रहीं। उनकी पहुंच हरियाणा से सटे सीमावर्ती और अर्ध–सीमावर्ती जिलों, जिनमें जीरकपुर, डेरा बस्सी, संगरूर और सुनाम शामिल हैं और दोआबा तथा पुआध क्षेत्रों के कुछ हिस्सों तक केंद्रित रही है। इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय ओ.बी.सी. आबादी है और पड़ोसी हरियाणा के साथ लंबे समय से सामाजिक और सांस्कृतिक संबंध हैं।

पारंपरिक पोशाक में उनकी उपस्थिति, गुरुद्वारा कार्यक्रमों में भागीदारी और सिख धार्मिक समारोहों में उपस्थिति को सम्मान के संकेत के रूप में पेश किया जाता है। सांझा इतिहास और रिश्तेदारी के संदर्भ अक्सर पंजाब को 'बड़ा भाई' बताते हुए, राजनीतिक कड़वाहट को कम करने के लिए सावधानी से चुने जाते हैं। एस.वाई.एल. नहर या चंडीगढ़ की स्थिति जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी, सैनी का लहजा टकराव वाला नहीं, बल्कि सुलह वाला रहा है। भाजपा की पंजाब रणनीति हरियाणा में सैनी के शासन को दिखाने पर भी बहुत अधिक निर्भर करती है। हरियाणा सरकार का 1984 के सिख दंगों के पीड़ितों के परिवारों को नौकरी देने का फैसला, सिख गुरुओं की याद में लैजिस्लेटिव कार्यक्रम और लाडो लक्ष्मी योजना जैसी कल्याण योजना, जिसमें महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपए देने का वादा किया गया है, इन्हें ठोस प्रशासनिक नतीजों के तौर पर पेश किया जा रहा है। पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने 2022 में महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपए देने का वादा किया था, जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है। भाजपा 'कांग्रेस से आयात' की दिशा से आगे बढ़ रही रू आंतरिक रूप से, सैनी की प्रमुखता एक बदलाव का संकेत भी देती है। पिछले कुछ वर्षों में, भाजपा की पंजाब इकाई में उन नेताओं का दबदबा रहा है, जो कांग्रेस या सहयोगी दलों से आए थे–जैसे कैप्टन अमरिंदर सिंह और सुनील कुमार जाखड़। इसके विपरीत, सैनी पंजाब में बिना किसी पूर्वाग्रह या गुटबाजी के भाजपा के स्वदेशी नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके उदय से पार्टी को आयातित नेताओं पर निर्भरता की बजाय एक स्वाभाविक नेतृत्व की छवि प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। बहुत कम लोगों को उम्मीद है कि 2027 में भाजपा पंजाब में बहुमत हासिल कर पाएगी। ग्रामीण मालवा में संगठनात्मक कमियां अभी भी बनी हुई हैं और सिखों का राजनीतिक संशय भी कायम है। फिर भी, चुनाव समीकरणों को नया रूप देने का भी जरिया हैं। अगर भाजपा ओ.बी.सी. समर्थन को मजबूत कर पाती है, शहरी हिंदू वोट बैंक को बरकरार रख पाती है और दोआबा और सीमावर्ती इलाकों में विरोध को कम कर पाती है, तो वह एक महत्वपूर्ण तीसरी शक्ति के रूप में उभर सकती है। मामूली बढ़त भी पारंपरिक वोट बैंक को प्रभावित कर सकती है और गठबंधन के समीकरण को बदल सकती है। पंजाब में शॉर्टकट को शायद ही कभी बढ़ावा दिया गया है। भाजपा धैर्य की रणनीति अपना रही है, जहां सांस्कृतिक जुड़ाव महत्वाकांक्षा से पहले आता है और शासन की दिखावट बयानबाजी से पहले। इस ढांचे में, सैनी पार्टी के सबसे प्रमुख और सोच–समझकर इस्तेमाल किए गए हथियार के रूप में उभरे हैं।

धुंध के उस पार जीवन सुरक्षित बनाने की मुहिम आईआईटीएम पुणे

पुणे से संचालित एक विशेष वैज्ञानिक अभियान विंटर फॉग एक्सपेरिमेंट यानि वाईफैक्स जो कोहरे को केवल महसूस नहीं करता, बल्कि उसे मापता है, समझता है और पहले से भांपने की कोशिश करता है। विंटर फॉग एक्सपेरिमेंट जानने की कोशिश करता है कि कोहरा कैसे बनता है, कब सबसे घना होगा, कितनी देर टिकेगा और किस वक्त छंटेगा। यह अध्ययन सिर्फ मौसम वैज्ञानिकों तक सीमित नहीं है। यह उन पायलटों के लिए उपयोगी जानकारी है जिन्हें कम दृश्यता में उड़ान भरनी होती है। उन ट्रैफिक और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के लिए अहम है, जिनके लिए एक गलत अनुमान बड़े हादसे में बदल सकता है और उन नीति–निर्माताओं के लिए जरूरी है जो खराब मौसम के प्रभाव को पहले से समझना चाहते हैं। इसी वैज्ञानिक सोच और दूरदृष्टि का केंद्र है, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मीटिरियोलॉजी यानी आईआईटीएम), पुणे। हाल ही में पीआईबी चंडीगढ़ की महिला पत्रकारों का एक समूह पीआईबी पुणे और पीआईबी मुंबई के साथ आईआईटीएम के दौरे पर पहुंचा तो वाईफैक्स के अधिकारियों ने विस्तार से जानकारी दी। इस प्रयोग के जरिये कोहरे का 85 प्रतिशत तक सटीक पूर्वानुमान किया जाता है। दृश्यता यानि विजिबिलिटी की बेहतर जानकारी के जरिये हवाई और सड़क यातायात को राहत दी जा रही है। वाईफैक्स बीते कुछ सालों में बादल, बिजली और तूफान की भाषा बखूबी समझने लगा है। आईआईटीएम की स्थापना 17 नवंबर 1962 को पुणे के रामदुर्ग हाउस में हुई थी। शुरुआत में यह संस्थान भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अंतर्गत कार्य करता था और इसे विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) का सहयोग प्राप्त था। समय के साथ इसका स्वरूप बदला और 1971 में स्वायत्त दर्जा मिला। 1985 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत था। 2006 से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन है। आज आईआईटीएम भारत का प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है, जहां उष्णकटिबंधीय मौसम और जलवायु पर बुनियादी और अनुप्रयुक्त शोध किया जाता है। यानी महासागर, वायुमंडल,जलवायु प्रणाली पर मूलभूत शोध के जरिये मौसम और जलवायु पूर्वानुमानों को बेहतर बनाने का काम कर रहा है आईआईटीएम। यहां किया गया शोध केवल अकादमिक नहीं रहता, बल्कि उसका सीधा असर कृषि और जल प्रबंधन,आपदा चेतावनी प्रणाली,परिवहन और शहरी जीवन,आम नागरिकों की सुरक्षा पर दिखाई देता है। आईआईटीएम में इसके अलावा क्लाउड फिजिक्स एंड डायनामिक्स, तूफान (थंडरस्टॉर्म फॉरकास्टिंग), कृत्रिम वर्षा (क्लाउड सीडिंग) जैसे विषयों पर भी शोध होता है। यानी यह समझने की कोशिश की जाती है कि बादल कैसे बनते हैं, बिजली क्यों गिरती है और तूफान कैसे विकसित होते हैं। भारत में मौसम का मतलब मानसून है और आईआईटीएम में मानसून केवल एक मौसम नहीं, बल्कि लगातार अध्ययन का विषय है। यहां मानसून का अल्पकालिक पूर्वानुमान, मौसमी पूर्वानुमान, एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्ट, मानसून की परिवर्तनशीलता और अनिश्चितता का अध्ययन कर सूचना आईएमडी को भेजी जाती है। कब बारिश शुरू होगी, कितनी होगी, सूखा पड़ेगा या बाढ़ आएगीकृइन सवालों के पीछे आईआईटीएम के वर्षों के डेटा और विश्लेषण हैं। आईआईटीएम में मौसम का अनुमान अनुभव से नहीं, बल्कि न्यूमेरिकल वेदर प्रिडिक्शन यानी एनडब्ल्यूपी से लगाया जाता है। इस खास प्रक्रिया में देश–दुनिया से मौसम का डेटा, डेटा असिमिलेशन, हाई–परफॉर्मेंस कंप्यूटर पर मॉडल रन करना, पूर्वानुमान और चेतावनी जारी करना शामिल जैसे कई चरण शामिल है। यही एनडब्ल्यूपी तकनीक चक्रवात, भारी बारिश और चरम मौसम की समय रहते जानकारी देती है। बढ़ते शहरी प्रदूषण को देखते हुए आईआईटीएम ने विकसित किया सफर (एसएएफएआर) सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फॉरकास्टिंग एंड रिसर्च। यह प्रणाली रियल–टाइम वायु गुणवत्ता डेटा निकालती है। प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभाव का अध्ययन करती है और प्रशासन और नीति–निर्माताओं को निर्णय में सहायता भी प्रदान करती है। आईआईटीएम की ताकत उसकी अत्याधुनिक सुविधाएं हैं– हाई–परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग सिस्टम,डॉप्लर रडार, एक्स बैंड राडार, सी बैंड राडार का बैंड राडार (एक्स,सी और के बैंड राडार), मोबाइल लिडार (एलआईडीएआर), विंड प्रोफाइलर, हाइपर स्पेक्ट्रल माइक्रोवेव रेडियोमीटर, हाइपर–स्पेक्ट्रल उपकरण, महाबलेश्वर स्थित हाई–एल्टीट्यूड ऑब्जर्वेटरी व स्थानीय शोध शामिल है। आईआईटीएम में जलवायु परिवर्तन, ग्रीनहाउस गैसों और महासागर–वायुमंडल अंतःक्रिया जैसे विषयों पर किया गया शोध पानी, खेती, स्वास्थ्य, संचार व आपदा प्रबंधन तक असर डालता है। 1962 में शुरू हुआ यह संस्थान आज उस मुकाम पर है,जहां मौसम की चुनौती को केवल स्वीकारा नहीं जाता, समझा जाता है, पढ़ा जाता है और संभाला जाता है। जब अगली बार घना कोहरा आपकी सुबह को रोक दे, या मानसून समय पर दस्तक दे या किसी चक्रवात से पहले चेतावनी मिले तो याद रखिए, पुणे में कहीं बैठा आईआईटीएम धुंध के उस पार देखकर आपके आज और आने वाले कल को सुरक्षित बनाने की कोशिश कर रहा है।

इतिहास का इतिहास

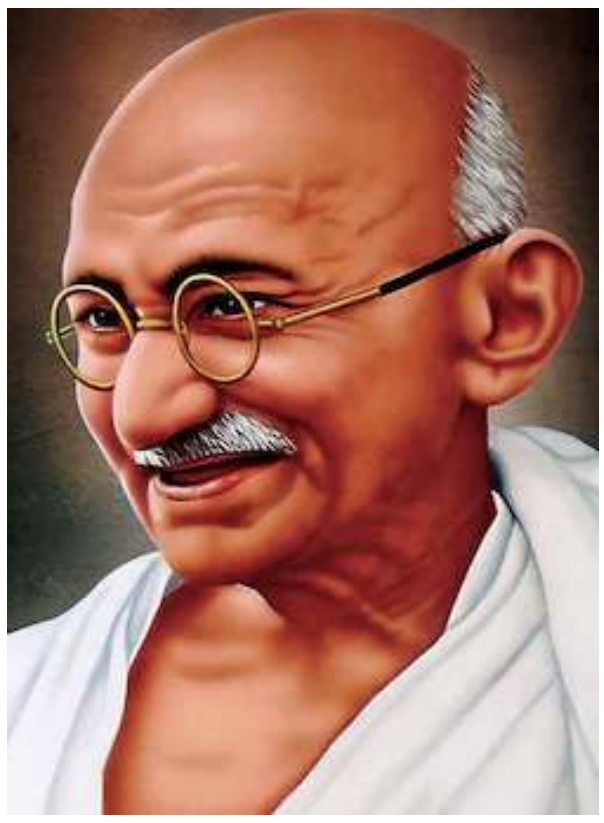

गाँधी जी जीवित होते तो आज 156 साल के होते। परसों उनकी पुण्यतिथि थी। वे बहुत गहराई से याद किए गए। उन्होंने विश्व इतिहास में हस्तक्षेप किया और काल की अखण्ड सत्ता को प्रभावित किया। काल है भी अखण्ड सत्ता। सारी घटनाएं समय के भीतर होती हैं। अथर्ववेद (19.53–54) में भृगु कहते हैं "काल–अश्व विश्व–रथ का संवाहक है। काल ही पिता है, वही आगे पुत्र होता है। काल में प्राण हैं, मन हैं, सारे नाम हैं, काल की अनुकूलता ही आनंद है। काल स्वयंभू है। काल के द्वारा ही भूत और भविष्य पैदा हुए हैं आदि आदि।" समय पकड़ में नहीं आता। घटनाएं घटती हैं, घटना अतीत है। अतीत की घटनाओं का यथातथ्य संकलन इतिहास है। प्राचीन राष्ट्र की घटनाएं करोड़ों की संख्या में होती हैं। भारत ऐसा ही राष्ट्र है। मूलभूत प्रश्न है कि घटनाओं के संकलन में संकलनकर्ता की रुचि क्या है? रुचि क्यों है? कुछेक विद्वान् युद्ध प्रिय होते हैं, वे युद्धों का इतिवृत्त संकलित करते हैं। कुछ विद्वान् प्रकृति प्रेमी होते हैं, वे प्राकृतिक परिवर्तनों के संकलन को इतिवृत्त का विषय बनाते हैं। मार्क्सवादी सोंच के विद्वान् उत्पादन पद्धति की विवरणी का संकलन करते हैं। इतिहास अतीत का दर्पण होता है लेकिन इतिहास लेखन या संकलन की कोई भी शैली प्राचीन समाज या राष्ट्र का सम्पूर्ण विवरण नहीं हो सकती। जैसे समुद्री लहरों की गणना असंभव होती है वैसे ही इतिहास संकलन का काम भी बड़ा जटिल है। इसलिए इतिहास का रूप, स्वरूप और इतिहास खोजना बहुत कठिन काम है।

भारत में 'इतिहास के इतिहास' पर बहसें चलती हैं। यूरोपीय विद्वान भारत पर इतिहास की उपेक्षा का आरोप लगाते हैं। मैक्समूलर ने लिखा, "हिन्दू दार्शनिकों की एक जाति थी। उनका संघर्ष विचारों का संघर्ष था। उनका अतीत सृष्टि की समस्या थी, उनका भविष्य अस्तित्व का प्रश्न था। यह कहना सही है कि विश्व के राजनैतिक इतिहास में भारत का कोई स्थान नहीं है।" मैक्समूलर को वैदिक और पौराणिक सहित प्राचीन इतिहास में राज्यव्यवस्था नहीं दिखाई पड़ती। एलफिन्सटन को सिकंदर के हमले के पूर्व किसी भी घटना का निश्चित समय नहीं दिखाई पड़ता। उन्होंने 1839 में लिखा, "भारतीय इतिहास में सिकंदर के आक्रमण के पूर्व किसी सार्वजनिक घटना की तिथि निश्चित नहीं की जा सकती है।" विटरनिट्ज यहां काव्य, नायकत्व और इतिहास का घालमेल देखते हैं। अलबेरूनी के आरोप ज्यादा सख्त है कि "हिन्दू चीजों (घटनाओं) के ऐतिहासिक क्रम पर अधिक ध्यान नहीं देते। वे अपने सम्राटों के काल क्रमानुसार उत्तराधिकार के वर्णन में लापरवाह है।" गांधी जी को यह सब खासा बुरा लगा था। राष्ट्रबोध की वास्तविक शर्त सच्चा इतिहास बोध है। गणित, ज्योतिष, चिकित्सा आदि के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां विश्वख्यात थीं। भारत ने इतिहास संकलन की अपनी विशेष परम्परा विकसित की थी लेकिन यूरोपीय तर्ज के इतिहासविद् भारत को इतिहासविहीन बता रहे हैं। गांधी जी राजाओं के विवरण को सच्चा इतिहास नहीं मानते थे। उन्होंने हिन्द स्वराज में लिखा "इतिहास जिस अंग्रेजी शब्द (हिस्ट्री) का तरजुमा है और जिस शब्द का अर्थ बादशाहों या राजाओं की तवारीख होता है। हिस्ट्री में दुनिया के कोलाहल की ही कहानी मिलेगी। राजा लोग कैसे खेलते थे? कैसे खून करते थे? कैसे वैर करते थे, यह सब हिस्ट्री में मिलता है।" गांधी जी ने यूरोपीय इतिहास की अंतर्वस्तु को ठीक ही सिर्फ खूनखराबे का संग्रह बताया है। अतीत और वर्तमान दो नहीं हैं, वर्तमान अतीत का ही विस्तार है। अतीत निर्जीव सत्ता नहीं है, वर्तमान बीते प्राणवान समय का ही चेहरा है। इसलिए पुराने समय के पर्वत, वन उपवन, पशु, पक्षी और ग्रहदशा तथा गीत, नृत्य भी वर्तमान काल में किसी न किसी रूप में मौजूद रहते ही हैं। इतिहास और वर्तमान का सम्बंध अविच्छिन्न है। इतिहास में मनुष्य के कर्म अनुभव होते हैं। भूलें चूकें और जय पराजय होती हैं। मनुष्य उनसे सीखता है। वर्तमान की वस्तुनिष्ठ व्याख्या का उपकरण भी इतिहास ही है। इतिहास मनुष्य जीवन की प्रयोगशाला है। समाज इसी प्रयोगशाला के निष्कर्षो के अनुसार सही, गलत, करणीय या अकरणीय और अनुकरणीय कार्यो–विचारों की सूची बनाता हैं। इसलिए इतिहास संकलन का काम वैज्ञानिक जैसा है लेकिन दोनों के लक्ष्य में आधारभूत अन्तर हैं। विज्ञान प्रकृति का विश्लेषण करता है, उसके निष्कर्ष अंतिम नहीं होते। प्रकृति विराट है, यहां अनंत रहस्य हैं। विज्ञान द्वारा जाना गया कोई भी तथ्य सम्पूर्ण या अंतिम सत्य नहीं होता। इतिहास 'हो चुके' का विवरण है। अतीत में अब कुछ भी नया होने की संभावना नहीं है। जो हो गया, उसी का तथ्यगत संकलन इतिहास है।

गांधी जी इतिहास निर्माता थे लेकिन स्वयं एक अच्छे इतिहास लेखक भी थे। अनेक विद्वानों ने गांधी जी की लिखी "दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास" पुस्तक की प्रशंसा की है। गांधी जी की इस किताब का पहला अध्याय है 'भूगोल'। इतिहास की घटनांए एक खास भू क्षेत्र पर घटित होती हैं। भू क्षेत्र का रूप स्वरूप स्थायी नहीं रहता।

बेटी क्लिन संग पत्नी और न्यूबॉर्न ट्विन्स से मिलने अस्पताल पहुंचे राम चरण, शेयर की तीन बच्चों के पिता बनने की खुशी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार राम चरण और उनकी पत्नी उपासना कोनिडेला के घर फिर से बच्चों की किलकारी गूंजी है। कपल ने 31 जनवरी को जुड़वा बच्चों का स्वागत किया है और अब दोनों तीन बच्चों के पेरेंट्स बन गए हैं। इस गुड न्यूज के बाद फैंस और सेलेब्स की ओर से कपल को खूब बधाइयां मिल रही हैं। वहीं, जुड़वा बच्चों के जन्म के बाद राम चरण हैदराबाद में अपनी पत्नी और नवजात बच्चों से मिलने अस्पताल पहुंचे। इसी दौरान का उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि अस्पताल के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे राम चरण को अंदर जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान एक्टर अपनी दो साल की बेटी क्लिन कारा को गोद में लिए नजर आ रहे हैं। वह अपनी पत्नी और नवजात बच्चों से मिलने के लिए अस्पताल के अंदर जाना चाहते हैं, लेकिन वहां मौजूद भीड़ उन्हें चारों ओर से घेर लेती है। भीड़ की वजह से हालात ऐसे बन जाते हैं कि राम चरण को अपनी बेटी की सुरक्षा के लिए लोगों को हटाना और धक्का देना पड़ता है। वीडियो में वह साफ तौर पर परेशान और चिंतित दिखाई दे रहे हैं। अस्पताल पहुंचने के बाद राम चरण ने खुद भी सोशल मीडिया के जरिए अपने जुड़वा बच्चों के जन्म की खुशी फैंस के साथ शेयर की। उन्होंने पोस्ट में लिखा– यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमें एक बेटा और एक बेटी हुई है। दो बेटियों और एक बेटे का होना हमें बहुत खुशी देता है। हमारी जिंदगी की महिलाएं हमारी सबसे बड़ी ताकत रही हैं। मैं अपने सभी फैंस, परिवार और शुभचिंतकों का बहुत आभारी हूं जो हर पल हमारे साथ खड़े रहे और हमारा साथ दिया। बता दें, राम चरण और उपासना की प्रेम कहानी भी काफी खास रही है। दोनों ने लंबे समय तक एक–दूसरे को डेट करने के बाद 2011 में सगाई की थी। इसके एक साल बाद, 2012 में हैदराबाद में भव्य समारोह के साथ दोनों ने शादी कर ली। शादी के कई साल बाद, 2023 में उनके घर पहली बार किलकारियां गूंजी थीं, जब उनकी बेटी क्लिन कारा का जन्म हुआ। अब जुड़वा बच्चों के आगमन से राम चरण और उपासना का परिवार और भी बड़ा हो गया है।

> “
> उन्होंने पोस्ट में लिखा- यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमें एक बेटा और एक बेटी हुई है। दो बेटियों और एक बेटे का होना हमें बहुत खुशी देता है। हमारी जिंदगी की महिलाएं हमारी सबसे बड़ी ताकत रही हैं।

फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर 4 राउंड फायरिंग

महाराष्ट्र के मुंबई में फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर 4 राउंड फायरिंग हुई। घटना की खबर मिलने के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीमें उनके घर पहुंचीं। रोहित शेट्टी मुंबई के जुहू इलाके में रहते हैं। उनके घर के पास बॉलीवुड की कई सेलिब्रिटीज के घर हैं। मुंबई पुलिस ने बताया कि ये घटना शनिवार रात करीब 3 बजे हुई। अज्ञात हमलावरों ने चार राउंड फायरिंग की। इसके बाद जुहू में रोहित शेट्टी के घर के आसपास सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। पुलिस हमलावरों की पहचान करने के लिए हर एंगल से जांच कर रही है। हमले के पीछे का मकसद अभी पता नहीं चला है। मामले में अभी तक किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है। पुलिस ने रविवार दोपहर बताया कि इस मामले में पुणे के कारवेनगर और धायरी इलाकों से चार लोगों को हिरासत में लिया है। जांच जारी है। घटना के बाद, सबूत जुटाने के लिए फोरेंसिक विज्ञान और बैलिस्टिक्स विशेषज्ञों की टीम घटनास्थल पर पहुंची। इससे पहले कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा के कनाडा स्थित कैफे पर तीन बार फायरिंग हो चुकी है। पिछले साल जुलाई, अगस्त और अक्टूबर में उनके कैफे पर फायरिंग हुई थी। घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। गैंग की तरफ से उन्हें कई बार धमकी भी दी जा चुकी है।

तमन्ना भाटिया के स्टोर लॉन्च में पहुंचे आर्यन खान,सामंथा रुथप्रभू, सिद्धार्थ मल्होत्रा, पूजा हेगड़े समेत कई फिल्मी सितारों ने की शिरकत

पॉपुलर एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने बतौर एक्ट्रेस कामयाबी हासिल करने के बाद अब जूलरी बिजनेस में कदम रखा है। शनिवार को उन्होंने मुंबई के जुहू में फाइन जूलरी का तमन्ना स्टोर लॉन्च किया है। स्टोर लॉन्च इवेंट में फिल्म इंडस्ट्री के कई सेलेब्स ने शिरकत की। इस दौरान बैड्स ऑफ बॉलीवुड डायरेक्टर आर्यन खान भी तमन्ना को सपोर्ट करने पहुंचे हैं। तमन्ना भाटिया पेरेंट्स के साथ स्टोर लॉन्च इवेंट की होस्ट बनीं। उन्होंने व्हाइट फ्रिल ऑफ शोल्डर टॉप के साथ बैगी जींस पहना था। इस लुक को उन्होंने मैस्सी बन, पॉइंटेड सिल्वर हील्स और डायमंड जूलरी से कंप्लीट किया था।

चहल के साथ वाले एआई पोस्टर पर भड़कीं शेफाली बग्गा,कहा लड़कियों के साथ इस तरह बर्ताव करना बहुत ही घिनौना है

एक्स बिग बॉस कंटेस्टेंट और एंकर शेफाली बग्गा सोशल मीडिया पर वायरल उस तस्वीर को लेकर भड़क गईं, जिसमें एआई से बनाए गए पोस्टर में उनका नाम क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ जोड़ा गया। इन पोस्टर्स में चहल को उनकी एक्स वाइफ धनश्री वर्मा, कथित एक्स पार्टनर आरजे महवश और शेफाली बग्गा के साथ दिखाया गया। ये पोस्टर फिल्म "किस किसको प्यार करूं" के पोस्टर जैसे बनाए गए थे। इन पोस्टर्स पर रिएक्ट करते हुए शनिवार को शेफाली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, "यह बहुत ही घिनौना है! जिस तरह ये ट्रोल्स लड़कियों के साथ बर्ताव करते हैं, वो बेहद शर्मनाक है। अपनी जिंदगी जियो। यह हमारी मेंटैलिटी का क्लासिक उदाहरण है।" बता दें कि ये एआई जनरेटेड पोस्टर्स ग्राफिक डिजाइनर विजय कुमार बारिया ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए थे, जिसके बाद ये तेजी से वायरल हो गए। इसको लेकर युजवेंद्र चहल ने भी रिएक्शन दिया, लेकिन उनका अंदाज थोड़ा मजाकिया था। उन्होंने कमेंट करते हुए लिखा,"2–3 रह गई हैं एडमिन, अगली बार अच्छे से रिसर्च करना।" बता दें कि शेफाली और चहल के रिश्ते की अफवाहें तब शुरू हुईं, जब दोनों को हाल ही में मुंबई के एक रेस्टोरेंट से साथ निकलते देखा गया। उनकी फोटो और वीडियो सामने आने के बाद गॉसिप पेजेस पर चर्चा तेज हो गई। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है। गौरतलब है कि युजवेंद्र चहल की प्राइवेट लाइफ पहले से ही सुर्खियों में रही है। धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनका नाम आरजे महवश से जुड़ा था, लेकिन हाल ही में दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक–दूसरे को अनफॉलो कर दिया, जिससे उनके रिश्ते को लेकर भी अटकलें खत्म हो गईं।

प्यार, दोस्ती और परिवार नन्हे मेहमान के आने से पहले रणदीप हुड्डा की पत्नी लिन लैशराम ने दिखाईं जनवरी की झलक

साल 2026 का पहला महीना यानी जनवरी विदा ले चुका है। आज 01 फरवरी से नए माह की शुरुआत हुई है। लिन लैशराम और रणदीप हुड्डा के लिए यह साल यूं भी खास होने वाला है, क्योंकि दो से तीन होने वाले हैं। आज रविवार को लिन लैशराम ने साल के पहले महीने की खूबसूरत फोटोज फैंस के साथ शेयर की हैं। लिन लैशरान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने तस्वीरों के जरिए बताया है कि जनवरी का महीना कितना खुशनुमा रहा है। साल का पहला महीना दोस्तों और परिवार के साथ मोहब्बत के साथ बीता। एक्ट्रेस ने अपने बेबी शॉवर की फोटोज भी शेयर की हैं। तस्वीरों के साथ लिन लैशराम ने कैप्शन लिखा है, जनवरी 2026 कुछ इस तरह बीता। प्यार, दोस्त और परिवार। तस्वीरों में आप भी देखिए झलक। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि लिन लैशराम प्रेग्नेंसी में अपनी सेहत का पूरा ख्याल रख रही हैं। लजीज और हेल्दी फूड के साथ–साथ वह वर्कआउट भी कर रही हैं। बता दें कि बीते वर्ष 29 नवंबर को रणदीप हुड्डा ने सोशल मीडिया पर वाइफ लिन की प्रेग्नेंसी की खुशखबरी शेयर करते हुए लिखा था, दो साल का प्यार, एडवेंचर और अब... एक छोटा सा बच्चा आने वाला है।श बता दें कि लिन और रणदीप हुड्डा ने साल 2023 में शादी रचाई थी। रणदीप हुड्डा की तरह लिन लैशराम भी अभिनय की दुनिया में सक्रिय हैं। लिन मूल रूप से मणिपुर की रहने वाली हैं। वे चर्चित मॉडल और अभिनेत्री हैं। उन्होंने बॉलीवुड में अपने अभिनय की शुरुआत शाहरुख खान की फिल्म ओम शांति ओम से की थी। इसके अलावा वे प्रियंका चोपड़ा की फिल्म मैरी कॉम में भी काम कर चुकी हैं।

रुक गई है बालों की ग्रोथ तो इस्तेमाल करें कलौंजी, तेजी से बढ़ने लगेंगे बाल

किचन में पाए जाने वाले मसाले सिर्फ स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि त्वचा और बालों के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होते हैं। उन्हीं मसालों में एक हैं कलौंजी। कलौंजी से तैयार किया गया तेल बालों में लगाने से कई हेयर प्रॉबलम्स से छुटकारा मिलता है। यह बालों की अच्छी ग्रोथ और मजबूती के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि कैसे आप इसका बालों में इस्तेमाल कर सकते हैं...

बालों को करेगी काला

कलौंजी बालों को काला करने में भी मदद करती है। इसमें लिनोलेइक एसिड काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो बालों में ब्लैक पिगमेंट कोशिकाओं की कमी को रोकने में मदद करता है। नियमित रुप में कलौंजी का तेल बालों में इस्तेमाल करके आप सफेद बालों से राहत पा सकते हैं।

मॉइश्चराइजर के रुप में करेगी काम

अगर आपके बाल बहुत ही रुखे हैं तो आप कलौंजी का इस्तेमाल कर सकते हैं। नियमित कलौंजी या इससे बने तेल की मालिश करने से स्कैल्प में सीबम का उत्पादन अच्छे से हो पाता है। इसके अलावा कलौंजी के बीजों में फैटी एमिनो एसिड पाया जाता है जो बालों को सॉफ्ट बनाने में मदद करता है।

स्कैल्प हैल्थ के लिए फायदेमंद है कलौंजी

इसके बीजों में एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटीफंगल, एंटीबैक्टीरियस, एंटीवायरल और एनाल्जेसिक गुण पाए जाते हैं जो बालों को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह फ्री रेडिकल्स आपके बालों के साथ–साथ स्कैल्प की रक्षा भी करते हैं। यदि आप स्कैल्प को हैल्दी बनाना चाहते हैं तो कलौंजी के तेल या बीज का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बढ़ेगी बालों की ग्रोथ

कलौंजी का बीज या फिर तेल का इस्तेमाल आप बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए कर सकते हैं। इसमें निगेलोन और थायमोक्विनोन नाम का पोषक तत्व होता है जो एक मजबूत एंटीहिस्टामाइन है यह बालों की ग्रोथ बढ़ाने में मदद करता है।

डैमेज होने से बचेंगे बाल

यदि गंदगी, प्रदूषण, सूरज के किरणें और किसी अन्य कारण से आपके बाल डैमेज हो रहे हैं तो आप कलौंजी के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस तेल का इस्तेमाल करने से रुखे, बेजान और डैमेज बालों से आपको छुटकारा मिलेगा।

घर की पूर्व दिशा में रख लें ये चीजें, आशियाने में आएगी पॉजिटिव

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का खास महत्व माना जाता है क्योंकि इस शास्त्र को दिशाओं का शास्त्र ही माना जाता है। हर दिशा का अलग–अलग महत्व बताया गया है। खासकर पूर्व दिशा को सूर्य देव की दिशा माना जाता है। सूर्य देव ज्ञान, बल, बुद्धि और जीवन में सफलता देते हैं। इसलिए इसे सबसे खास

माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूर्व दिशा में कुछ चीजें रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। तो चलिए जानते हैं इस दिशा में कौन–सी चीजें रखना शुभ मानी जाती है...

सुगंधित पौधे

पूर्व दिशा में सुगंधित पौधे रखना भी शुभ माना जाता है। यह घर को महकाते हैं साथ में घर में पॉजिटिव एनर्जी का भी वास होता है। यदि आप इस दिशा में पौधों को जोड़े में लगाते हैं तो और भी फायदा होगा।

पेंटिंग

पूर्व दिशा की दीवार में दिन निकलने या फिर दूर से कोई सूरज डूबने की तस्वीर लगाना शुभ माना जाता है। इससे घर में पॉजिटिवटी आती है और बच्चे के विकास और करियर में ग्रोथ भी होती है।

खिड़कियां या दरवाजे

इस दिशा में खिड़कियां और दरवाजे बनाना भी शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इससे घर में पॉजिटिविटी का संचार होता है। इसके अलावा इस दिशा में दरवाजे खिड़कियां होने से बच्चों का ज्ञान, बुद्धि और बल भी बढ़ता है।

स्टडी टेबल

पूर्व दिशा में बच्चों का स्टडी टेबल रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। इस बात का ध्यान रखें कि टेबल को इस तरह रखें कि पढ़ाई करते हुए बच्चों का मुहं पूर्व दिशा में हो। इससे बच्चों का ज्ञान बढ़ेगा और उन्हें नए–ए आइडियाज भी मिलेंगे।

सॉफ्ट टॉयज से बच्चों को हो सकता है इन्फेक्शन! बरतें ये सावधानियां

आज सब टेडी डे मना रहे हैं और अपने चाहने वालों को टेडी दे रहे हैं जो कि एक सॉफ्ट टॉय है। सॉफ्ट टॉयज सब को पसंद होते हैं, महिलाओं तो क्या बच्चों को भी टेडी या कोई भी दूसरा सॉफ्ट टॉय बहुत ही अच्छे लगते हैं। कई बच्चों को सॉफ्ट टॉयज साथ में लेकर सोने की आदत होती है, तो कई बच्चे इसके बिना खाना तक नहीं खाते हैं। वे सॉफ्ट टॉयज को लेकर इतने संवेदनशील होते हैं कि उसे किसी के साथ शेयर करना उन्हें पसंद नहीं आता है। मगर क्या आप जानते हैं कि मखमल से मुलायम ये सॉफ्ट टॉयज बच्चों की सेहत के लिए कितने हानिकारक होते हैं? इन्हें समय–समय पर धोते रहना चाहिए। अन्यथा आपके बच्चों को रायनाइटिस की समस्या हो सकती है।

रायनाइटिस क्या है?

लगातार छीकें आना, नाक से पानी जैसा तरल पदार्थ का लगातार बहना, सिरदर्द होना और नाक, तालू में खुजली होना, ज्यादातर ये दिक्कतें रायनाइटिस के कारण होती हैं। रायनाइटिस की असली जड़ धूल–मिटटी है। मौसम में बदलाव के कारण रायनाइटिस हो सकता है। जिस तरह हम अपने कपड़े रोज साफ करते हैं, उसी तरह हमें बच्चों के सॉफ्ट टॉयज भी रोजाना धोने चाहिए। ऐसा नहीं करने पर बच्चों में रायनाइटिस की समस्या हो सकती है। दरअसल, गंदे सॉफ्ट टॉयर बच्चों के इम्यून को वीक कर देते हैं। जिसके चलते वे जल्दी–जल्दी इन्फेक्शन के चपेट में आ जाते हैं।

सॉफ्ट टॉयज से कैसे होता है इन्फेक्शन?

धूल–मिट्टी सबसे पहले उड़कर सॉफ्ट टॉयज में आकर जमा होती हैं। हम इसे रोज नहीं धोते हैं, जिसके कारण इनमें हानिकारक बैक्टीरिया जमा होते जाते हैं। जब बच्चा इन्हें साथ लेकर सोता है, तो सांस लेते समय यह बारीक कण उसके नाक में घुस जाते हैं। इसी से नाक में ब्लॉकेज हो जाती है।

सॉफ्ट टॉयज को कैसे रखें साफ?

अगर सॉफ्ट टॉयज मशीन से धुल सकते हैं, तो इन्हें सप्ताह में एक बार जरूर धोइए और अच्छे से ड्राई भी कीजिए। सुखाने के लिए धुप में रखें।

यदि सॉफ्ट टॉयज मशीन में धुलकर खराब हो सकते हैं, तो इन्हें गरम पानी में डिटर्जेंट डालकर स्क्रब से साफ कीजिए।

वैक्युम या ड्राईक्लीन भी करवा सकते हैं।

यदि बच्चे को सॉफ्ट टॉयज लेकर सोने की आदत है, नींद लगते ही धीरे से टॉय को हटा दीजिए। बच्चे को एकाद सॉफ्ट टॉयज ही खेलने को दें। बाकी को आप अच्छे से पैक कर दें।

सॉफ्ट टॉय से ध्यान हटाने के लिए उसे दूसरी एक्टिविटीज में इन्वॉल्व कीजिए।

ग्लोइंग स्किन के लिए इन 5 तरीकों से इस्तेमाल करें खीरा

खीरे में पानी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है यह स्वास्थ्य के साथ–साथ स्किन के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इसका चेहरे पर इस्तेमाल करने से स्किन पर निखार आता है। इसके अलावा आप खीरे को मॉइश्चराइजर, क्लींजर के तौर पर भी चेहरे पर इस्तेमाल कर सकते हैं। कई लोग चेहरे पर घर में बना खीरे का फेस पैक भी त्वचा पर इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा भी आप खीरे को कई तरह से स्किन पर इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानते हैं ग्लोइंग स्किन के लिए आप खीरे का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं...

खीरे की स्लाइस

आप चेहरे की रंगत निखारने के लिए खीरे की स्लाइस का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपकी त्वचा को कूलिंग इफेक्ट देने में मदद करेगी। इसके अलावा खीरे से आपकी त्वचा रिलैक्स महसूस करेगी और तनाव भी दूर होगा। तनाव के कारण भी आपका चेहरा डल आने लगता है। ऐसे में आप चेहरे पर खीरे की स्लाइस रख सकते हैं।

खीरे का जूस

ग्लोइंग और निखरी त्वचा के लिए आप खीरे का जूस पी

सकते हैं। रोज सुबह खाली पेट खीरे का जूस पीने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स पदार्थ बाहर निकलते हैं और स्किन पर ग्लो आने लगता है। इसके अलावा खीरा त्वचा को हाइड्रेटेड करने में भी मदद करता है।

फेस पैक

चेहरे के दाग–धब्बे, मुंहासे दूर करने के लिए आप खीरे से बना फेस पैक इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी तासीर ठंडी होती है जो चेहरे के मुहांसे दूर करने में मदद करता है। इससे स्किन को कूलिंग इफेक्ट मिलता है और स्किन पर निखार आता है। खीरे को कद्दूकस कर लें। फिर इसे अपने चेहरे पर लगाएं। 15–20 मिनट बाद अपनी त्वचा को सादे पानी से धो लें।

सलाद

खीरे के सलाद का सेवन करके आप ग्लोइंग और खूबसूरत स्किन पा सकते हैं। नियमित सलाद खाने से आपकी स्किन पर निखार आएगा और त्वचा मुलायम और चमकदार बनेगी। इसमें पानी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो आपकी त्वचा को हाइड्रेटेड और मॉइश्चराइज करने में मदद करेगा।

रस

खीरे का रस आपकी स्किन को ग्लोइंग बनाने में इस्तेमाल करके स्किन को ग्लोइंग बना सकते हैं। खीरे को कद्दूकस करके रस निकाल लें। फिर इस रस को चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरा सादे पानी से धो लें। खीरे का रस लगाने से चेहरे पर निखार आएगा और त्वचा मुलायम बनेगी। इसके अलावा रुखी, ड्राई और बेजान त्वचा के लिए भी आप खीरे का रस चेहरे पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

वैलेंटाइन डे पर इन 5 टिप्स से होगी त्वचा ग्लोइंग , नहीं हटेंगी पार्टनर की आपसे नजरें

वैलेंटाइन वीक चल रहा है और इस मौके पर बहुत से पुरुष किसी खास से अपनी दिल की बात कहते हैं। वहीं महिलाएं भी किसी खास को इम्प्रेस करने के लिए बहुत सारे ब्यूटी प्रोडक्ट्स ट्राई करती हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हम आपको 5 ब्यूटी टिप्स देने जा रहे हैं जिन्हें आज ही से इस्तेमाल करना शुरू कर दें। वैलेंटाइन डे आने तक आपके चेहरा नेचुरली ग्लो करेगा। शायद मेकअप की भी जरूरत ना पड़े....

मलाई : बहुत से लोगों को मलाई का टेस्ट बिलकुल अच्छा नहीं लगता है, लेकिन वैलेंटाइन डे से पहले अगर आप सॉफ्ट, निखरी त्वचा पाना चाहती हैं तो इसे कम से कम चेहरे पर लगा लें। मलाई को चेहरे पर लगाने से दाग धब्बे दूर होते हैं, इसके ऑयल से चेहरे पर नमी आती है, स्किन सॉफ्ट बनती है और रंग भी साफ होता है।

ऐसे लगाएं– मलाई में जरा–सी हल्दी मिलाकर कॉटन बॉल या उंगली की मदद से पूरे चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट रखें और फिर ताजे पानी से धो लें।

बेसन : बेसन, चंदन, हल्दी आदि के मिश्रण से एक फेस पैक तैयार करें और वैलेंटाइन से पहले कम से कम 2 बार इसका इस्तेमाल करें। आप चाहें तो रोजाना भी इसे चेहरे पर लगा सकती हैं। इस फेस पैक में इस्तेमाल होने वाली सभी चीजें नेचुरल हैं। इसलिए रोजाना भी इनके इस्तेमाल से साइड इफेक्ट नहीं होता। ये चीजें चेहरे पर नेचुरल ग्लो देती हैं।

गुलाब जल : वैलेंटाइन डे वाले दिन अगर आप इंस्टेंट निखार चाहती हैं तो उस दिन तैयार होने से पहले ये छोटा सा उपाय करें – 2 से 3 कॉटन बॉल्स को गुलाब जल में डूबोकर फ्रीज में रख दें। कुछ देर बाद इन कॉटन बॉल्स से अपने चेहरे पर 10 से 15 मिनट मसाज करें। ध्यान रहे कि मसाज से पहले

अपना चेहरा एकदम साफ होना चाहिए। गुलाब जल की इस मसाज से चेहरे पर ग्लो आता है।

स्क्रबिंग : वैलेंटाइन डे से एक रात पहले चेहरे पर स्क्रब करें। अपनी स्किन टाइप के अनुसार स्क्रब चुनें, स्क्रब मसाज करते समय हाथों को चेहरे पर राउंड–राउंड घुमाएं। यह स्क्रब करें का सही तरीका है। स्क्रब के बाद स्किन टाइप के हिसाब से फेस पैक लगाएं और 10 मिनट रखने के बाद ताजे पाने से धो लें। अगले दिन जब आप उठेंगी तो चेहरे पर नेचुरल ग्लो पाएंगी।

संक्षिप्त

बहिष्कार की नौटंकी करने वाले पाकिस्तान पर लगाम कसने की तैयारी! भुगतने पड़ सकते हैं गंभीर परिणाम

नई दिल्ली,एजेंसी। पाकिस्तान ने रविवार को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप का मुकाबला खेलने से मना कर दिया। पाकिस्तान की सरकार ने राष्ट्रीय टीम को सात फरवरी से होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में खेलने की मंजूरी दी है, लेकिन भारत के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान बहिष्कार की नौटंकी कर रहा है, लेकिन उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। पाकिस्तान सरकार ने एक्स पर लिखा था, पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी। बयान में भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की कोई वजह नहीं बताई गई। सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के माध्यम से दिए गए इस निर्णय को बांग्लादेश को टूर्नामेंट से हटाए जाने से जुड़े एक राजनीतिक विरोध के रूप में देखा जा रहा है। क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने बांग्लादेश के मैच भारत से श्रीलंका में स्थानांतरित करने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। जिस कारण टीम को टूर्नामेंट से बाहर किया गया था। आईसीसी ने पाकिस्तान सरकार के इस फैसले पर सवाल उठाते हुए चेतावनी दी कि इस बहिष्कार के परिणामस्वरूप दंडात्मक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने बयान में कहा, आईसीसी को उम्मीद है कि पीसीबी अपने देश में क्रिकेट पर पड़ने वाले महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक प्रभावों पर विचार करेगा, क्योंकि इससे वैश्विक क्रिकेट व्यवस्था पर असर पड़ने की संभावना है जिसका वह स्वयं एक सदस्य और लाभार्थी है। आईसीसी राष्ट्रीय नीति के मामलों में सरकारों की भूमिका का सम्मान करती है, लेकिन यह निर्णय वैश्विक खेल या दुनिया भर के प्रशंसकों जिनमें पाकिस्तान के लाखों प्रशंसक भी शामिल हैं इनके कल्याण के हित में नहीं है।

लैटिन अमेरिका में बढ़ रहा चीनी सामानों का दबदबा

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति और भू–राजनीतिक कदमों के बाद चीन के निर्यातकों ने लैटिन अमेरिका को बड़ा बाजार बना लिया है। नतीजतन, क्षेत्र के देशों में सस्ती चीनी कारें, ई–कॉमर्स सामान, कपड़े और इलेक्ट्रॉनिक्स की बाढ़ आ गई है, जिससे स्थानीय उद्योगों और नौकरियों पर दबाव बढ़ रहा है। चीन की घरेलू मांग कमजोर है और कई उद्योगों में उत्पादन क्षमता बढ़ चुकी है। ऐसे में 60 करोड़ से अधिक आबादी और बढ़ते मध्यम वर्ग वाला लैटिन अमेरिका चीनी कंपनियों के लिए आकर्षक विकल्प बन गया है। पिछले साल अमेरिका को चीन का निर्यात करीब 20प्रतिशत घटा, जबकि लैटिन अमेरिका और अन्य क्षेत्रों को शिपमेंट बढ़ा। इंटर–अमेरिकन डायलॉग थिंक टैंक की एशिया–लैटिन अमेरिका प्रोग्राम निदेशक मार्गरेट मायर्स के अनुसार, लैटिन अमेरिका में क्रय शक्ति और वास्तविक मांग है, इसलिए चीन के लिए अतिरिक्त उत्पादन खपाने का यह सबसे आसान इलाका है। लैटिन अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए सस्ते चीनी सामान राहत हैं, लेकिन छोटे कारोबारियों के लिए चुनौती। चीनी प्लेटफॉर्म टेमू और शीन ने बाजार हिस्सेदारी तेजी से बढ़ाई है। सेंसर टॉवर के मुताबिक, 2025 की पहली छमाही में टेमू के लैटिन अमेरिका में औसत मासिक सक्रिय यूजर्स 11.4 करोड़ रहे एक साल में 165प्रतिशत की बढ़त। शीन के यूजर्स भी 18प्रतिशत बढ़े। मेक्सिको सिटी के डाउनटाउन में चीनी माल से भरी दुकानों की संख्या हाल के वर्षों में तीन गुना से ज्यादा बढ़ गई है। स्थानीय दुकानदार प्रतिस्पर्धा में टिकने के लिए जूझ रहे हैं। अर्जेंटीना में हालात ज्यादा गंभीर हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर में ई–कॉमर्स आयात (अधिकांश चीन से) 237प्रतिशत उछल गया। कपड़ा उद्योग से जुड़े संगठनों का कहना है कि रिकॉर्ड आयात के चलते फैक्ट्रियां कम क्षमता पर चल रही हैं और छंटनियां हो रही हैं। लैटिन अमेरिका के ऑटो हब मेक्सिको और ब्राजील में सस्ती चीनी कारों का दबाव बढ़ा है। बीवाईडी और जीडब्ल्यूएम जैसे ब्रांड तेजी से बाजार पकड़ रहे हैं। ब्राजील में 2024 में बिके ईवी का 80: से ज्यादा हिस्सा चीनी ब्रांड्स का था। वहीं मेक्सिको 6.25 लाख चीनी कारों के आयात के साथ सबसे बड़ा गंतव्य बन गया। यूबीएस के चीन ऑटो रिसर्च प्रमुख पॉल गोंग के मुताबिक, किफायती कीमतों और सरकारी समर्थन के कारण ईवी में चीन को स्पष्ट बढ़त है। हालांकि, दोनों देशों की अपनी मजबूत ऑटो इंडस्ट्री है और वे प्रतिस्पर्धा को लेकर सतर्क हैं। चीन को ब्राजील का लिथियम, चिली का तांबा और पेरू का फिशमील चाहिए, लेकिन कई देशों के साथ व्यापार घाटा बढ़ रहा है। मेक्सिको का चीन के साथ घाटा 2024 में 120 अरब डॉलर तक पहुंचा। अर्जेंटीना का घाटा 2025 में 8.2 अरब डॉलर रहा। ब्राजील और चिली को कुछ अधिशेष जरूर है, लेकिन कुल मिलाकर चीन से आयात तेज है। 2014–23 के दौरान चीन ने लैटिन अमेरिका और कैरेबियन में 153 अरब डॉलर के ऋण–अनुदान दिए अमेरिका से लगभग तीन गुना। पेरू का चांके मेगापोर्ट जैसे प्रोजेक्ट चीन की गहरी मौजूदगी दिखाते हैं। मेक्सिको ने चीनी आयात पर 50: तक टैरिफ लगाए हैं। ब्राजील और चिली ने कम–मूल्य पार्सल पर कर छूट घटाईध्खत्म की और ईवी आयात शुल्क बढ़ाए। विश्लेषकों का मानना है कि और संरक्षणवादी कदम आ सकते हैं।

नॉकआउट में भारत से हुआ सामना तो क्या करेगा पाक? फैसले का पड़ सकता है ये असर

नई दिल्ली,एजेंसी। पाकिस्तान की सरकार और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप का मुकाबला खेलने से इनकार कर दिया है। दोनों टीमों के बीच 15 फरवरी को कोलंबो में मुकाबला होना है, लेकिन अब पाकिस्तान ने इस मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया है। आईसीसी ने मामले में हस्तक्षेप किया है और उसे पीसीबी से आधिकारिक सूचना मिलने का इंतजार है। अगर पाकिस्तान इस रवैये पर अडिग रहा तो उसके भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। पाकिस्तान बहिष्कार की नौटंकी कर रहा है, लेकिन उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। आईसीसी ने पाकिस्तान सरकार के इस फैसले पर सवाल उठाते हुए चेतावनी दी है कि इस बहिष्कार के परिणामस्वरूप दंडात्मक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इस बात की संभावना है कि पाकिस्तान के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के अंक काटे जाएंगे। पाकिस्तान को आईसीसी रैंकिंग में भी नुकसान उठाना पड़ेगा। इतना नहीं आईसीसी से मिलने वाले राजस्व पर भी प्रभाव पड़ सकता है। आईसीसी सदस्य देशों की शीर्ष टीमें पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार कर सकेंगी। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में अन्य टीमों के खिलाड़ियों के हिस्सा लेने पर भी रोक लगना संभव है। पाकिस्तान के बहिष्कार से भारत को ही फायदा पहुंचेगा। पाकिस्तान अगर मैच नहीं खेलता है तो भारत को दो अंक मिलेंगे, जबकि आईसीसी के पास पीसीबी पर पेनल्टी लगाने का अधिकार भी होगा। वॉकओवर के लिए भारतीय टीम को टॉस के दौरान मैदान पर मौजूद रहना होगा और भारतीय टीम मुकाबले के लिए श्रीलंका जाएगी। एक बार अगर पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा टॉस के लिए मौजूद नहीं रहे तो मैच रेफरे भारत को दो अंक देने का एलान कर देंगे। पाकिस्तान विश्व कप में ग्रुप ए में शामिल है जिसमे गत चौंपियन भारत, नामीबिया, नीदरलैंड और अमेरिका भी मौजूद हैं। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ करेगा जिसके बाद उसका सामना 10 फरवरी को अमेरिका से होगा। फिर उसे 15 फरवरी को भारत के खिलाफ खेलना है, जबकि ग्रुप चरण का आखिरी मैच वह नामीबिया के खिलाफ खेलेगा। भारत से खेलने पर उसे दो अंकों का नुकसान होगा। ऐसे में अगर सलमान आगा की अगुआई वाली टीम को सुपर आठ चरण में आसानी से पहुंचना है तो उसे सभी मैच जीतने होंगे। आइए जानते हैं पाकिस्तान पर बहिष्कार का किस तरह प्रभाव पड़ सकता है... पाकिस्तान को अब ग्रुप स्टेज में तीन मैच खेलने होंगे जिसमें अगर वह सभी मैच जीतता है तो उसके छह अंक होंगे और वह आसानी से अगले दौर में पहुंच सकता है। ग्रुप ए में पाकिस्तान को भारत कड़ी टक्कर दे सकता है, जबकि अन्य टीमों अपेक्षाकृत कमजोर हैं जिसका फायदा पाकिस्तान को हो सकता है। अगर पाकिस्तान को ग्रुप चरण में नीदरलैंड, अमेरिका और नामीबिया में से किसी एक टीम के खिलाफ भी हार मिली तो उसके लिए आगे की राह मुश्किल हो सकती है। पाकिस्तान की सरकार ने जब यह एलान किया कि उनकी राष्ट्रीय टीम भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप का मैच नहीं खेलेगी तो उसमें सिर्फ ग्रुप चरण का जिक्र था। ऐसे में यह सवाल उठता है कि अगर नॉकआउट चरण या फाइनल में दोनों टीमें एक दूसरे के सामने आती हैं तो पाकिस्तान का रुख क्या होगा? अगर पाकिस्तान वहां भी इसी रुख पर कायम रहता है तो भारत को ही फायदा पहुंचेगा। यह ऐसा सवाल है जिसका जवाब आने वाले दिनों में मिलने की उम्मीद है।

भारत से नहीं खेलने के पाकिस्तान के फैसले पर बीसीसीआई ने दी प्रतिक्रिया, शुक्ला बोले- हम आईसीसी से सहमत

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पाकिस्तान को लेकर प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ ग्रुप चरण का मैच खेलने से इनकार कर दिया है। इस मामले को लेकर आईसीसी ने भी हस्तक्षेप किया है और उसका कहना है कि वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से आधिकारिक सूचना का इंतजार कर रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को कोलंबो में मुकाबला खेला जाना है। भारत और पाकिस्तान के बीच ये मुकाबला श्रीलंका के कोलंबो में होना है। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह ग्रुप चरण के इस मैच का बहिष्कार करेगी। वहीं, भारतीय टीम ने आईसीसी के प्रोटोकॉल का पालन करने का फैसला किया है और वह इस मैच के लिए श्रीलंका जाएगी। सूत्रों के अनुसार, भारत इस मैच के लिए अभ्यास करेगा और प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेगा। टॉस के दौरान सूर्यकुमार यादव मैदान पर मौजूद रहेंगे और टीम इस बात का इंतजार करेगी कि मैच रेफरी मुकाबले को रद्द करें। पाकिस्तान के फैसले को लेकर बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, इस बारे में आईसीसी का बड़ा बयान आया है। उन्होंने खेल भावना को लेकर बात की है और हम इस संबंध में आईसीसी से पूरी तरह सहमत हैं। बीसीसीआई इस बारे में तब तक कोई टिप्पणी नहीं करेगा जब तक कि हम आईसीसी से बात नहीं कर लेते हैं। पाकिस्तान ने भले ही फैसला ले लिया है, लेकिन आईसीसी उसकी इस हरकत से खुश नहीं है। आईसीसी ने पाकिस्तान के रवैये पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि उसे अब तक पीसीबी की ओर से इस बारे में आधिकारिक तौर पर सूचित नहीं किया गया है। लेकिन आईसीसी टूर्नामेंट में चुनिंदा मैचों में हिस्सा लेना वैश्विक खेल इवेंट के लिए सही नहीं है जहां सभी क्वालिफाई करने वाली टीमें समान शर्तों पर खेलती हैं।

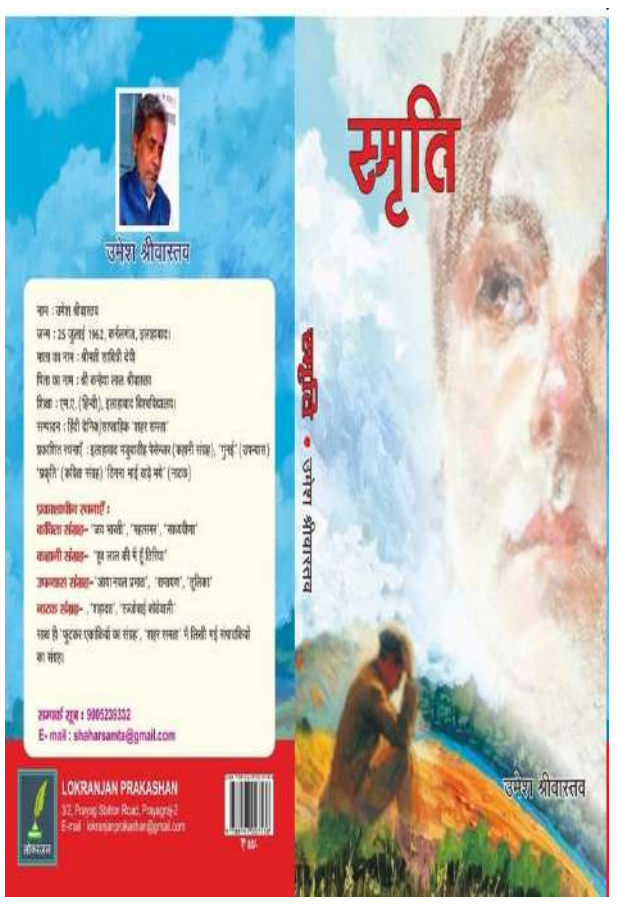

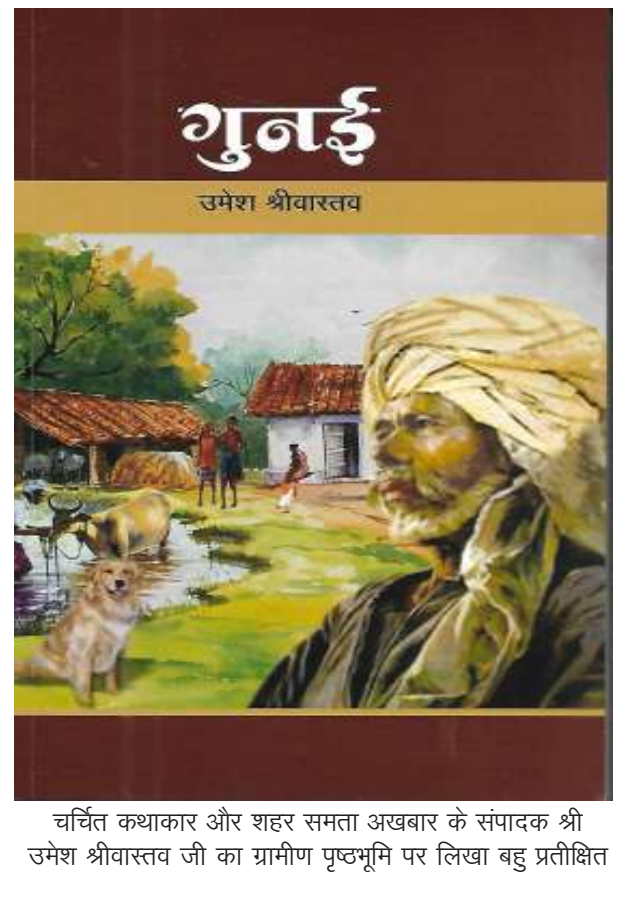

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

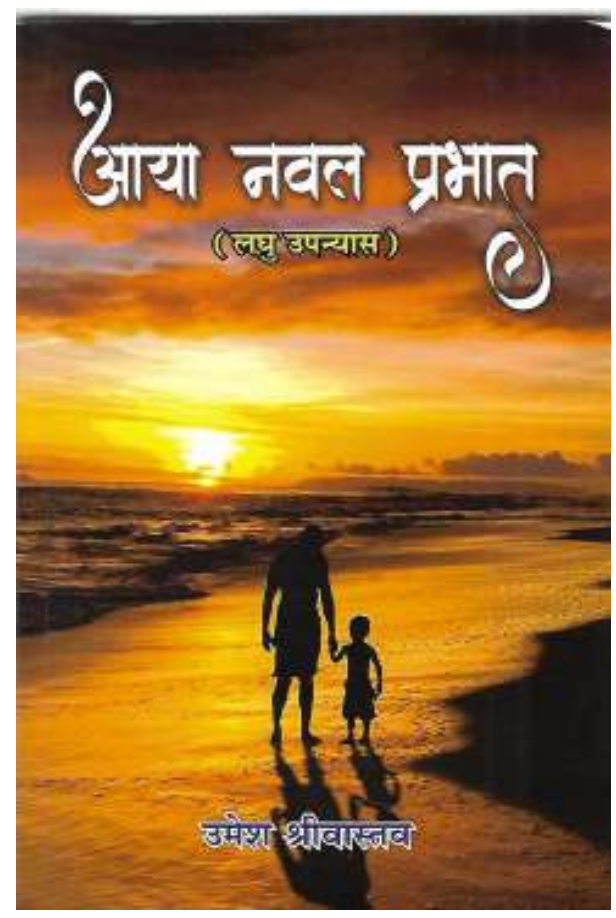

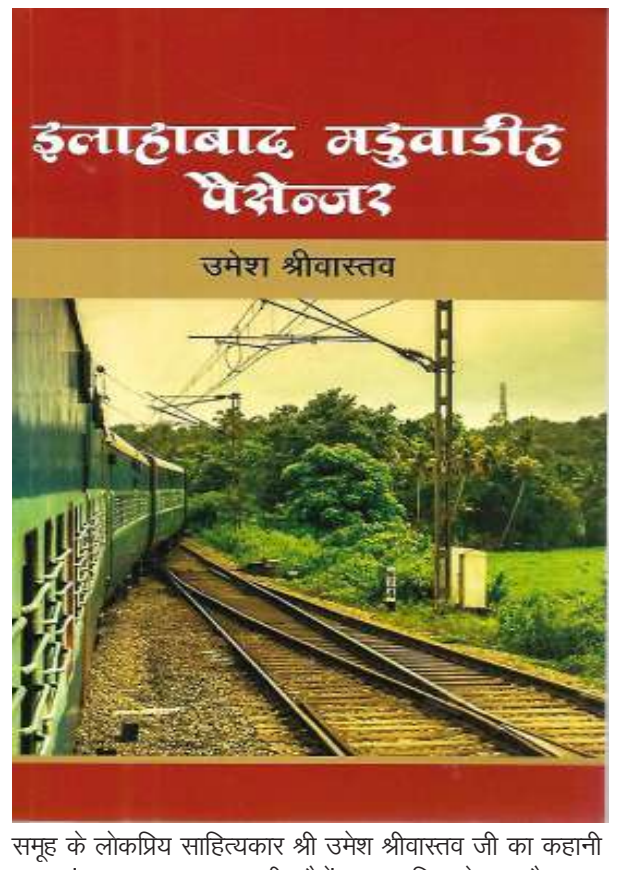

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

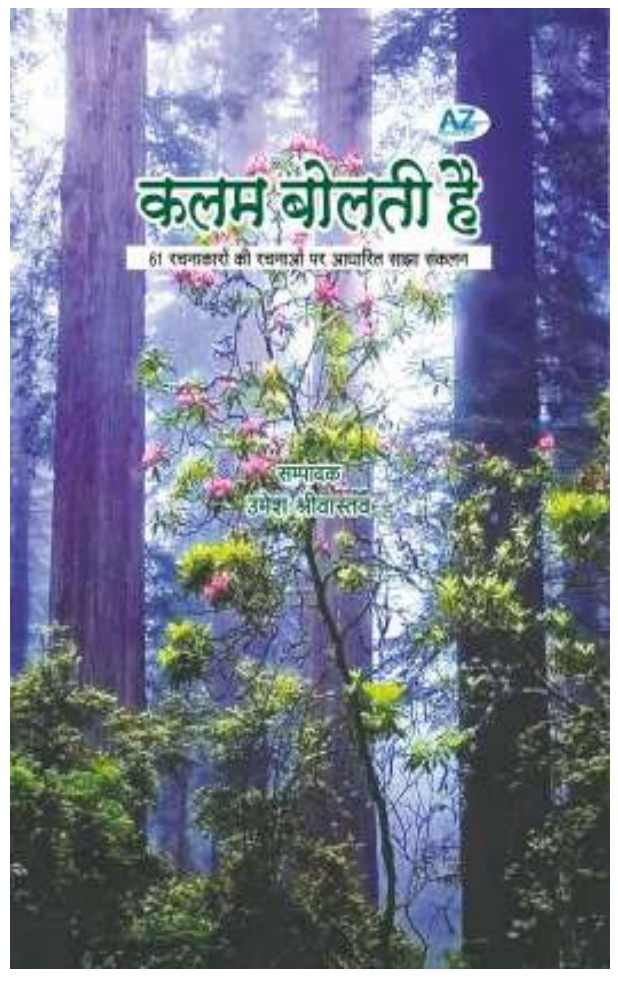

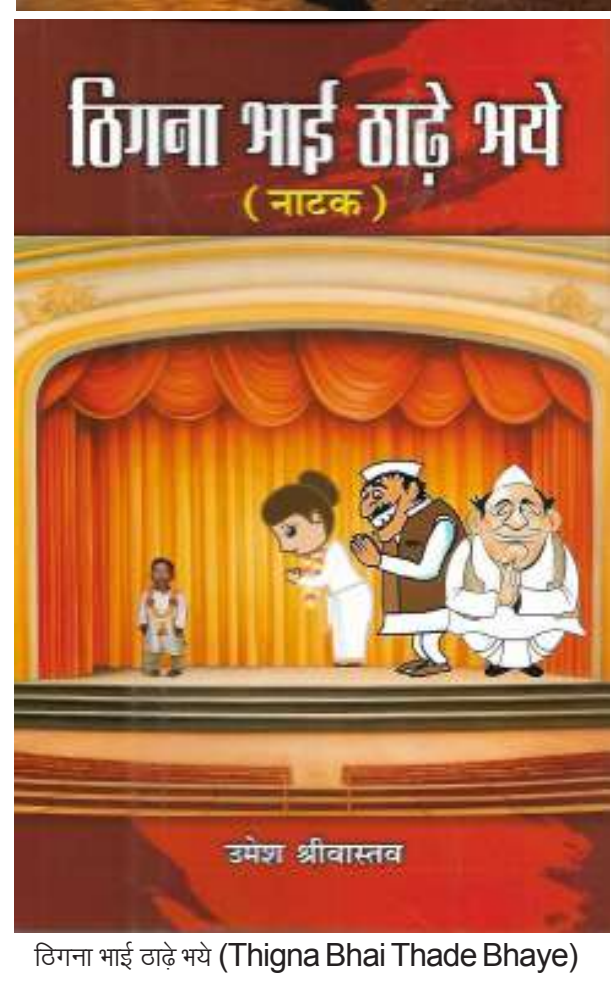

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

डिजिटल ठगी के खिलाफ चीन की सख्त कार्रवाई, म्यांमार स्कैम गिरोह के चार दोषियों को फांसी

ताइपे, एजेंसी। चीन ने म्यांमार में सक्रिय एक बड़े स्कैम नेटवर्क के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। अधिकारियों ने

सोमवार को जानकारी दी कि चीन ने चार लोगों को फांसी दे दी। इन लोगों को छह चीनी नागरिकों की हत्या और चार अरब डॉलर से ज्यादा का धोखाधड़ी और जुए का काला कारोबार चलाने का दोषी पाया गया था। दक्षिण चीन की शेनझेन इंटरमीडिएट पीपल्स कोर्ट ने सोमवार सुबह एक आधिकारिक बयान में फांसी की घोषणा की। हालांकि, बयान में यह नहीं बताया गया कि उन्हें फांसी कब दी गई। इससे पहले पिछले हफ्ते भी म्यांमार में स्कैम सेंटर चलाने के 11 अन्य लोगों को फांसी देने का एलान हुआ था। शेनझेन कोर्ट ने पिछले साल नवंबर में पांच लोगों को मौत की सजा सुनाई थी। इनमें कुख्यात बाई परिवार के सदस्य भी शामिल थे। यह परिवार स्कैम सेंटर और कसीनो का एक बड़ा नेटवर्क चलाने के लिए जाना जाता था। कोर्ट ने कहा, आरोपियों में से एक ग्रुप लीडर बाई सुओचेंग की सजा के बाद बीमारी से मौत हो गई। थी। इस गिरोह ने चीन की सीमा से सटे म्यांमार के कोकांग क्षेत्र में बड़े इंडस्ट्रियल पार्क बनाए थे। इन पार्कों से वे जुआ और टेलीकॉम स्कैम का धंधा करने का आरोप था। इन पर अपहरण, जबरन वसूली और ड्रग्स बनाने जैसे गंभीर आरोप भी थे। कोर्ट के मुताबिक, इन्होंने पीड़ितों से 29 अरब युआन की ठगी की। इनके अपराधों की वजह से छह चीनी नागरिकों की जान गई और कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए। कोर्ट ने अपने बयान में कहा कि इन लोगों के अपराध बहुत जघन्य थे। इनके कामों से समाज को बड़ा खतरा पैदा हुआ था। आरोपियों ने पहले इस फैसले के खिलाफ अपील की थी, लेकिन हाई कोर्ट ने उनकी दलीलें खारिज कर दीं।

पार्टी में नहीं गया, कुछ भी गलत नहीं किया, एपस्टीन फाइल में नाम आने पर मस्क ने तोड़ी चुप्पी

वॉशिंगटन, एजेंसी। 30 लाख से अधिक पन्ने, 2000 से ज्यादा वीडियो और करीब 180,000 फोटो के साथ जारी होने

वाली एपस्टीन फाइल्स की खेप ने एक बार फिर सुर्खियां बटोरी है। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ अमेरिका के कई दिग्गजों के संबंध उजागर हुए हैं। जिसमें एलन मस्क का नाम भी शामिल है। जिस पर टेस्ला के मालिक और टेक इंडस्ट्री के सबसे दिग्गज अरबपति ने जेफरी एपस्टीन से किसी भी तरह के रिश्ते से साफ इनकार किया है। एलन मस्क ने बहुचर्चित एपस्टीन फाइल्स में नाम आने के बाद अपनी सफाई दी है। उन्होंने कहा कि वो कभी जेफरी एपस्टीन की पार्टियों में नहीं गए और ना उनका कोई संबंध है। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट के जरिए मस्क ने चुप्पी तोड़ते हुए अपनी बात रखी। सोमवार को किए अपने पोस्ट में मस्क ने कहा कि वह कभी भी एपस्टीन के प्राइवेट द्वीप पर नहीं गए, न ही उनके लोलिता एक्सप्रेस विमान में सफर किया और न ही उनकी पार्टियों में शामिल हुए।

इस्राइल ने संघर्षविराम के तहत राफाह बॉर्डर को आंशिक रूप से खोला, गाजा में ड्रोन से हमले जारी

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने रविवार को गाजा और मिस्र के बीच स्थित राफाह बॉर्डर क्रॉसिंग को आंशिक रूप से फिर से खोलने का एलान किया है। यह क्रॉसिंग फिलहाल ट्रायल आध ाार पर खोली गई है और सिर्फ सीमित संख्या में गाजा के लोगों की आवाजाही की अनुमति दी जा रही है। मई पिछले साल के बाद यह पहला मौका है जब राफाह क्रॉसिंग को आंशिक रूप से खोला गया है। इस्राइल की सैन्य एजेंसी सीओजीएटी के अनुसार, यह फैसला संघर्षविराम समझौते के तहत लिया गया है। अधि ाकारियों ने बताया कि सोमवार से कुछ लोग इस रास्ते से आना–जाना शुरू कर सकते हैं। इसके लिए एक नई जांच (स्क्रीनिंग) सुविधा भी तैयार की गई है, जहां से गुजरने वाले लोगों की जांच होगी। गाजा के सरकारी मीडिया कार्यालय ने कहा कि युद्ध के दौरान विस्थापित हुए हजारों फलस्तीनी इस फैसले का इंतजार कर रहे थे। मीडिया कार्यालय के प्रमुख इस्माइल अल–थवाब्ता के मुताबिक, करीब 80,000 फलस्तीनी ऐसे हैं जो युद्ध के समय गाजा छोड़ गए थे और अब वापस लौटना चाहते हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

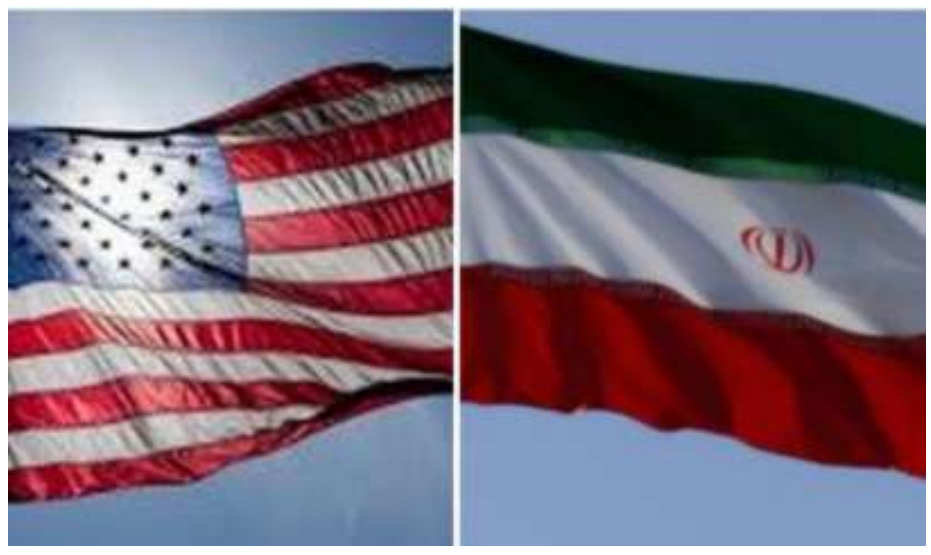

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर.9190052 39332
.919450482227

ट्रंप बोले- ईरान से डील की उम्मीद, वरना सच साबित होगी खामेनेई की क्षेत्रीय युद्ध की चेतावनी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि ईरान वाशिंगटन के साथ समझौता कर लेगा। ट्रंप ने यह बात फ्लोरिडा में अपने मार–ए–लागो आवास पर पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने साफ किया कि अमेरिका इस क्षेत्र में सैन्य टकराव के बजाय कूटनीतिक समाधान को प्राथमिकता दे रहा है। ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की उस चेतावनी पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका के साथ कोई भी संघर्ष क्षेत्रीय युद्ध में बदल जाएगा। ट्रंप ने कहा अमेरिका ने क्षेत्र में दुनिया के सबसे शक्तिशाली युद्धपोत और सैन्य संसाधन तैनात

किए हैं। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर समझौता नहीं हो पाता है, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि खामेनेई की चेतावनी कितनी सही थी। इससे पहले ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट साझा कर अमेरिका को कड़े शब्दों में आगाह किया था। उन्होंने कहा कि अमेरिका को यह समझ लेना चाहिए कि कोई भी युद्ध केवल एक सीमा तक सीमित नहीं रहेगा। खामेनेई ने जोर देकर कहा कि ईरान युद्धपोतों या विमानों की ध ामकियों से डरने वाला नहीं है। उन्होंने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह ईरान के तेल, गैस और समृद्ध खनिज संसाधनों पर फिर से नियंत्रण हासिल करना चाहता है। खामेनेई ने कहा कि ईरान खुद युद्ध की शुरुआत नहीं करेगा, लेकिन किसी भी हमले का करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका दशकों पहले ईरान की राजनीति और सुरक्षा पर अपना कब्जा खो चुका है और अब वह वापसी का रास्ता तलाश रहा है। उनके अनुसार, ईरानी राष्ट्र अमेरिकी उत्पीड़न के खिलाफ मजबूती से खड़ा रहेगा। तनाव के इन हालातों के बीच ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी ने कुछ सकारात्मक संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत के लिए जरूरी ढांचा तैयार किया जा रहा है और तैयारियां आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने मीडिया में चल रही युद्ध की सनसनीखेज खबरों को गलत बताया। फिलहाल, अमेरिकी नौसेना का एक विशाल बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप ने संकेत दिया है कि ईरान संभावित सैन्य कार्रवाई से बचने के लिए बातचीत के लिए तैयार हो सकता है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि परमाणु हथियारों पर चर्चा शुरू करने के लिए एक समय सीमा तय की गई है, हालांकि उन्होंने उस समय सीमा की जानकारी नहीं दी। अब पूरी दुनिया की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या दोनों देश बातचीत के जरिए इस संकट का समाधान निकाल पाएंगे।

39 वर्षीय महिला फर्नांडीज राष्ट्रपति की दौड़ में आगे, मतगणना में मिली बढ़त

एजेंसी/कोस्टा रिका के राष्ट्रपति चुनाव में दक्षिणपंथी कानून–व्यवस्था समर्थक उम्मीदवार लौरा फर्नांडीज ने शुरुआती दौर में मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआत परिणामों के मुताबिक, प्रारंभिक मतगणना के आधार पर रविवार देर रात तक 31 प्रतिशत मतदान केंद्रों से प्राप्त मतों की गिनती से पता चला कि सत्तारूढ़ सॉवरेन पीपुल्स पार्टी (पीपीएसओ) की फर्नांडीज ने 53.01 प्रतिशत वोट हासिल किए हैं, जिससे वह शुरुआती दौड़ में आराम से आगे चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे स्थान पर मध्य–वामपंथी नेशनल लिबरेशन पार्टी के अल्वारो रामोस 30.05 प्रतिशत वोटों के साथ रहे। वहीं, पूर्व प्रथम महिला क्लाउडिया डोबल्स 3.9 प्रतिशत वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इन आंकड़ों के साथ, फर्नांडीज को अब स्पष्ट जीत

हासिल करने और 5 अप्रैल को होने वाले दूसरे दौर के चुनाव से बचने के लिए कम से कम 40 प्रतिशत वोटों की आवश्यकता है। उनकी लोकप्रियता में यह उछाल ऐसे समय आया है जब 39 वर्षीय राजनेता मौजूदा राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस के चुने हुए उत्तराधिकारी के रूप में चुनाव प्रचार कर रही हैं। उनके कड़े सुरक्षा एजेंडे को आगे बढ़ाने का वादा कर रही हैं। हाल के वर्षों में परंपरागत रूप से शांतिपूर्ण रहे मध्य अमेरिकी देश में अपराध में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा कई मतदाताओं के लिए एक निर्णायक मुद्दा बन गई है। अल जजीरा के अनुसार, जहां कुछ लोग हिंसा पर अंकुश लगाने में विफल रहने के लिए चावेज प्रशासन को दोषी ठहराते हैं। वहीं अन्य लोग उनके टकरावपूर्ण दृष्टिकोण को व्यवस्था बहाल करने का सबसे मजबूत विकल्प मानते हैं। फर्नांडीज ने खुद को चावेस के साथ घनिष्ठ रूप से जोड़ लिया है, क्योंकि उन्होंने पहले उनकी राष्ट्रीय योजना और आर्थिक नीति मंत्री के रूप में और बाद में राष्ट्रपति पद की मंत्री के रूप में कार्य किया है। राष्ट्रपति चुनाव के साथ–साथ, कोस्टा रिका के लोगों ने 57 सीटों वाली राष्ट्रीय सभा के सदस्यों का भी चुनाव किया। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, चावेज की पार्टी को बढ़त मिलने की उम्मीद है, हालांकि हो सकता है कि उसे चावेज और फर्नांडीज द्वारा अपेक्षित बहुमत न मिले, जिससे उनके गुट को अन्य शक्तियों के साथ–साथ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति करने का अधिकार मिल जाएगा।

अगर 20 उम्मीदवारों ने चुनाव में भाग लिया, लेकिन प्रारंभिक और आंशिक परिणामों से पता चला कि फर्नांडीज और रामोस के अलावा कोई भी उम्मीदवार 5 प्रतिशत का आंकड़ा पार नहीं कर सका।

भारतीय वैज्ञानिक रामनाथन को मिलेगा क्रैफोर्ड प्राइज, जानिए उपलब्धि

वॉशिंगटन, एजेंसी। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने भारतीय मूल के जलवायु वैज्ञानिक वीरभद्रन रामनाथन को 2026 के क्रैफोर्ड पुरस्कार के लिए चुना है। इस सम्मान को जियोसाइंसेज का

नोबेल भी कहा जाता हैं। रामनाथन को यह पुरस्कार प्रदूषण फैलाने वाले तत्वों और वायुमंडल के श्ब्राउन क्लाउड्सश पर उनके दशकों पुराने शोध के लिए मिला है। उनके काम ने ग्लोबल वार्मिंग को समझने का नजरिया बदल दिया है। 82 साल के रामनाथन ने 1975 में नासा में काम करते हुए एक बड़ी खोज की थी। रामनाथन ने रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज को बताया कि 1975 तक, हम सोचते थे कि ग्लोबल वार्मिंग मुख्य रूप से ब्2 से होती है, लेकिन रेफ्रिजरेटर और एयरोसोल में इस्तेमाल होने वाली क्लोरोफ्लोरोकार्बन (ब्थ्ब्) गैसें कार्बन डाइऑक्साइड के मुकाबले 10,000 गुना ज्यादा प्रभावी ढंग से ऊष्मा को अवशोषित करते हैं। इस खोज से पहले लोग मानते थे कि ग्लोबल वार्मिंग सिर्फ कार्बन डाइऑक्साइड से होती है। रामनाथन का जन्म मदुरै में हुआ और उनकी पढ़ाई चेन्नई में हुई। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सिकंदराबाद की एक फ्रिज फैक्ट्री में इंजीनियर के रूप में की थी। यहीं उन्होंने पहली बार इन गैसों पर काम किया। बाद में उन्होंने अन्नामलाई यूनिवर्सिटी और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस से डिग्री हासिल की। उन्होंने श्इंडियन ओशन एक्सपेरिमेंटश के जरिए दक्षिण एशिया के ऊपर प्रदूषण की काली परतों (ब्राउन क्लाउड्स) की पहचान की। उनकी इस स्टडी ने वायु प्रदूषण को कमजोर भारतीय मानसून और हिमालय के ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से जोड़ा। फिलहाल वह कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर दुनिया के बड़े नेताओं और वेटिकन को भी सलाह दी है। उनके शोध ने श्मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉलश जैसी अंतरराष्ट्रीय संधियों को मजबूत बनाया, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गैसों पर रोक लगी। इस पुरस्कार में उन्हें स्वर्ण पदक और करीब नौ लाख डॉलर (आठ मिलियन स्वीडिश क्रोनर) की राशि मिलेगी। यह सम्मान मई 2026 में स्टॉकहोम में एक समारोह में दिया जाएगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

बलूचिस्तान में हिंसा तेजय महिला फिदायीन हमले में पाकिस्तानी सेना-पुलिस के 200 जवान हताहत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में अलगाववादी संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसका एक बड़ा सैन्य अभियान श्ऑपरेशन हीरोफ फेज–प्प्श 40 घंटे से ज्यादा समय तक चला। इस दौरान कई जिलों में हमले किए गए और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को भारी नुकसान पहुंचाया गया। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के प्रवक्ता जीयंद बलोच के मुताबिक, इस ऑपरेशन में पाकिस्तानी सेना, पुलिस और फ्रंटियर कोर के 200 से ज्यादा जवान मारे गए हैं। जबकि 17 लोगों को पकड़ा गया हैं। उन्होंने आगे बताया कि बीएलए की तरफ से करान, मस्तुंग, तुंप और पसनी जैसे इलाकों में अभियान पूरा किया गया, इसके साथ ही क्वेटा और नोश्की के कुछ हिस्सों में पाकिस्तानी सेना को पीछे धकेला गया है। हालांकि, इन दावों की पुष्टि नहीं हो सकी है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने कहा कि बलोचों के हमलों में 17 सुरक्षाकर्मी और 31 आम नागरिक मारे गए हैं। वहीं पाकिस्तानी सेना के अनुसार, शुक्रवार को 41 और शनिवार को 92 उग्रवादी मारे गए हैं। इस अभियान की सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि महिला फिदायीन (आत्मघाती हमलावर) भी शामिल थीं। आसिफा मेंगल ने नोश्की में इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) मुख्यालय को निशाना बनाकर कार बम से हमला किया। जानकारी के मुताबिक, वह मजीद ब्रिगेड की सदस्य थीं और 2023 में संगठन में शामिल हुई थीं, जबकि ग्वादर फ्रंट पर हवा बलोच नाम की महिला फिदायीन भी मारी गई।

वहीं पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी पुष्टि की कि कम से कम दो हमलों में महिलाएं शामिल थीं। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने माना कि इस ऑपरेशन में उसके भी 18 लड़ाके मारे गए, जिनमें 11 मजीद ब्रिगेड के फिदायीन और चार फतेह स्क्वाड के साथ–साथ तीन STOS यूनिट के सदस्य शामिल थे। वहीं बीएलए ने दावा किया कि उसने नोश्की के डिप्टी कमिश्नर और असिस्टेंट कमिश्नर को हिरासत में लेने के बाद श्मानवीय आधारश पर छोड़ दिया।

भरोसा टूटा, लेकिन बातचीत संभव, अमेरिका को ईरान की दो टूक- युद्ध नहीं चाहते, पर तैयार हैं

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका अब ईरान के लिए एक भरोसेमंद बातचीत करने वाला साझेदार नहीं रहा। फिर भी, ईरान अमेरिका के साथ न्यायपूर्ण और संतुलित समझौता करना चाहता है, खासकर परमाणु हथियारों के मुद्दे पर। एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में अब्बास अराघची ने साफ कहा कि ईरान युद्ध नहीं चाहता, लेकिन उसे गलत जानकारी और गलत आकलन के आधार पर किसी सैन्य कार्रवाई की चिंता है। उन्होंने इशारों में कहा कि कुछ ताकतें डोनाल्ड ट्रंप को युद्ध की ओर ध केलना चाहती हैं, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ट्रंप सही फैसला लेंगे। ईरान का कहना है कि अमेरिका के साथ बातचीत में भरोसा टूट चुका है। हालांकि, कुछ क्षेत्रीय दोस्त देश दोनों के बीच भरोसा बहाल कराने की कोशिश कर रहे हैं। अब्बास अराघची के मुताबिक यह काम मुश्किल है, लेकिन नामुमकिन नहीं। उन्होंने यह भी साफ किया कि अगर अमेरिका ईरान पर लगे आर्थिक प्रतिबंध हटाने को तैयार हो, तो समझौता संभव है।

जोहरान ममदानी का न्यूयॉर्क में विरोध, एपस्टीन विवाद से जुड़ा है मां मीरा नायर का नामय जानिए मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी को ग्रेसी मैंशन के बाहर कुछ लोगों के विरोध और नारेबाजी का सामना करना पड़ा। यह घटना अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जेफ्री एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज सार्वजनिक किए जाने के बाद सामने आई, जिनमें उनकी मां और मशहूर फिल्ममेकर मीरा नायर का नाम एक ईमेल में दर्ज है। मेयर के आधिकारिक आवास ग्रेस मैंशन के बाहर जुटे लोगों ने आरोप लगाया कि उन्होंने ममदानी का समर्थन किया था, लेकिन अब उन्हें धोखा महसूस हो रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हमने आपके लिए वोट किया, आपके लिए आवाज उठाई३ लेकिन आपने हमसे झूठ बोला।

यह विवाद 21 अक्तूबर 2009 की एक ईमेल से जुड़ा है, जो अमेरिकी पब्लिसिस्ट पेगी सीगल द्वारा भेजी गई थी। ईमेल में दोषी यौन तस्कर घिसलेन मैक्सवेल के टाउनहाउस में आयोजित एक फिल्म स्क्रीनिंग के बाद हुए आफ्टर पार्टी का जिक्र है। ईमेल के मुताबिक, उस कार्यक्रम में बिल क्लिंटन, जेफ बेजोस, जीन पिगोजी और निर्देशक मीरा नायर सहित कई हाई–प्रोफाइल लोग मौजूद थे। ईमेल में फिल्म का नाम नहीं दिया गया, लेकिन संदर्भ 2009 में रिलीज मीरा नायर की फिल्म अमेलिया से जोड़ा जा रहा है, जिसमें हिलेरी स्वैंक और रिचर्ड गेरे ने अभिनय किया था। बीते शुक्रवार को अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े रिकॉर्ड्स का एक बड़ा नया सेट सार्वजनिक किया। यह रिलीज एपस्टीन फाइल्स पारदर्शिता अधिनियम के तहत हुई, जिस पर 19 नवंबर 2025 को राष्ट्रपति ट्रंप ने हस्ताक्षर किए थे। नए दस्तावेजों में 30 लाख से अधिक पेज, 2,000 से ज्यादा वीडियो और करीब 1.8 लाख तस्वीरें शामिल हैं। ये रिकॉर्ड्स फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क के मामलों, मैक्सवेल के खिलाफ केस, एपस्टीन की मौत की जांच, एफबीआई और इंस्पेक्टर जनरल की जांचों सहित कई स्रोतों से जुटाए गए हैं। 34 वर्षीय जोहरान ममदानी ने 1 जनवरी को न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का पद संभाला। उन्होंने चुनाव में पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा को हराया। वे शहर के सबसे युवा और पहले मुस्लिम मेयर हैं। ममदानी ने एरिक एडम्स का स्थान लिया, जिन्होंने सितंबर में पुनर्निर्वाचन की दौड़ से नाम वापस ले लिया था, हालांकि वे बैलेट पर बने रहे।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।